●वर्ष : 16 ●अंक : 201 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

# दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

मगंलवार 12 नवम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
( 9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

## संक्षिप्त समाचार

### संविधान बदलने की झूठी कहानी का अंत हो चुका है, महायुति गठबंधन जीतेगा: फडणवीस

**महाराष्ट्र।** के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ संविधान बदलने की जो झूठी कहानियां गढ़ी थीं उनका अंत हो चुका है और 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में इसकी कोई भूमिका नहीं होगी। फडणवीस ने दिन के समय नागपुर दक्षिण पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद संवाददाताओं से यह बात कही। उपमुख्यमंत्री ने आम चुनाव की तुलना में विधानसभा चुनाव के माहौल में अंतर के बारे में पूछे जाने पर कहा, हमने लोकसभा चुनाव के दौरान (संविधान बदलने के लिए 400 से अधिक सीट जीताने के भाजपा के नारे) गढ़ी गयी झूठी कहानियों को पूरी तरह खत्म कर दिया है और जनता हमारे साथ खड़ी है। भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महायुति गठबंधन ने महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट में से सिर्फ 17 पर ही जीत हासिल की थी। विपक्षी महाविकास अघाडी ने 30 सीट पर जीत हासिल की थी जबकि एक निर्दलीय (जो सांगली से जीता) भी उनके साथ है। फडणवीस ने कहा, महायुति गठबंधन विधानसभा चुनाव में बहुमत से जीत हासिल करेगा। नागपुर दक्षिण पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र वर्ष 2009 में अस्तित्व में आया और तब से फडणवीस इस सीट से विधायक हैं।

# महायुति को लेकर अजित पवार ने कर दिया दावा

## 175 से अधिक सीटों पर होगी जीत

नूना न्यूज एजेंसी

**महाराष्ट्र।** विधानसभा चुनाव से पहले पूरे जोरों पर प्रचार के साथ, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने 288 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 175 से अधिक सीटों के साथ महायुति गठबंधन की जीत पर विश्वास जताया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और बारामती विधानसभा क्षेत्र से राकांपा उम्मीदवार ने कहा कि महायुति को 175 से अधिक सीटें मिलेंगी और बारामती में मैं एक लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीतूंगा। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान होगा और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। पवार ने बारामती का दौरा

किया जहां उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की और उनके मुद्दों को संबोधित किया। बारामती विधानसभा क्षेत्र से सात बार के विधायक अपने भतीजे युगेंद्र पवार के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, जो महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल हैं। इसका मुकाबला महा विकास अघाड़ी (एमवीए) से है, जिसमें कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) शामिल हैं। इससे पहले दिन में, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवैसी की टिप्पणी पर उन पर पलटवार किया और कहा कि वे "रजाकारों" के वंशज हैं, जिन्होंने मराठवाड़ा के लोगों पर अत्याचार किया। आज नागपुर में अपनी चुनावी रैली के दौरान मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, फड़नवीस ने कहा, "वे 'रजाकारों' के वंशज हैं। 'रजाकारों' ने मराठवाड़ा के लोगों पर अत्याचार किया, उनकी जमीनें लूटीं, महिलाओं से बलात्कार की कोशिश की और परिवारों को नष्ट कर दिया। वे ऐसा कैसे कर सकते हैं हमसे बात करें? गौरतलब है कि रजाकार एक अरबी शब्द है जिसका मतलब स्वयंसेवक होता है। इसे बांग्लादेश में अपमानजनक माना जाता है क्योंकि यह उन लोगों को संदर्भित करता है जिन्होंने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध में पाकिस्तानी सेना का समर्थन किया था।

## बहराइच में धरा गया बाबा सिद्दीकी का हत्यारा

नूना न्यूज एजेंसी

**मुम्बई।** में बाबा सिद्दीकी की हत्या करके नेपाल भाग रहे हत्याकांड के मुख्य शूटर को उत्तर प्रदेश के बहराइच में 10 अक्टूबर की देर रात्रि को मुंबई क्राइम ब्रांच और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने कार्रवाई में दबोच लिया। यह लोग यहां से नेपाल भागने की तैयारी में थे लेकिन, टीम ने इस तरह जाल बिछाया कि यह चंगुल में आ गया। इसके साथ ही टीम ने शूटर की मदद करने वाले उसके चार मददगारों को भी पकड़ लिया हैं। टीम ने नानपारा कोतवाली इलाके के हांड़ा बसेहरी गांव के पास कार्रवाई की। शूटर शिवा रोडवेज बस से अपने साथियों के साथ नेपाल भागने की फिराक में था। शूटर कैसरगंज के गंडारा गांव का रहने वाला है। उसके चार अन्य साथियों को भी पकड़ा गया है। टीम इनको अपने साथ दिल्ली ले गई। सबसे पहले हाड़ा बसेहरी गांव के पास चार इनोवा वाहन से मुंबई क्राइम ब्रांच और एसटीएफ के जवान पहुंचे। नेपालगंज नानपारा मार्ग पर एक रोडवेज बस को रोका। कुछ संदिग्ध युवकों को बस से उतारकर पास के ही एक होटल लेकर गए। यहां सभी ने संदिग्धों से लगभग दो घंटे पूछताछ की। इसके बाद टीम सभी को अपने साथ लेकर चली गई। टीम ने पूछताछ के समय होटल के मुख्य द्वार को बंद करवा दिया। किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया गया। एसटीएफ टीम में प्रभारी प्रमेश कुमार शुक्ल, उपनिरीक्षक जावेद आलम सिद्दकी आदि शामिल रहे। टीम ने शूटर के नेपाल भागने की पुष्टि की है।

## आरजी कर दुष्कर्म-हत्याकांड : कोलकाता की अदालत में मुकदमे की सुनवाई शुरू

**आरजी।** कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले की सुनवाई सोमवार को मुख्य आरोपी संजय रॉय को कोलकाता की एक अदालत में पेश किए जाने के साथ शुरू हो गई। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बन दास की अदालत में बंद कमरे में मामले की सुनवाई की जा रही है। रॉय को दोपहर में अदालत लाया गया। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 (बलात्कार), धारा 66 (मौत का कारण बनने या व्यक्ति के कोमा में जाने के लिए सजा) और 103 (हत्या के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। कोलकाता पुलिस ने आरजी कर अस्पताल के सेमिनार कक्ष में उस महिला चिकित्सक का शव मिलने के एक दिन बाद रॉय को गिरफ्तार किया था, जिसकी कथित तौर पर दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। बाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मामले की जांच अपने हाथों में ले ली थी।

## ज्वलंत मुद्दा

### सम्पादकीय

## जम्मू कश्मीर में फिर 370 का राग क्यों अलापा जा रहा है?

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद नई प्रदेश सरकार ने फिर से पुराने एजेंडे पर काम करना प्रारम्भ कर दिया है। इससे निश्चित ही यह संकेत मिलता है कि जिस धारा 370 और 35ए के कारण कश्मीर को शेष भारत से अलग दिखने जैसी स्थिति दिखती थी, वैसी ही स्थिति पैदा करने का प्रयास नई सरकार यानी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किया जा रहा है। राज्य की नई सरकार का यह कदम पाकिस्तान के हौसले बढ़ाने वाला ही लगता है, क्योंकि पाकिस्तान धारा 370 के कारण ही कश्मीर को अपना बताने का कुचक्र रचता रहा है। धारा 370 के बहाने राज्य को मिले विशेष अधिकारों के चलते ही पाकिस्तान ने अपना नेटवर्क स्थापित किया था, जिसके कारण वहां के नागरिक भारतीय सेना के प्रति अलगाव का व्यवहार करते दिखाई दिए। उस समय पाकिस्तान परस्त आतंकी कश्मीर में युवाओं को भ्रमित करते रहते थे। अब उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू कश्मीर में फिर से अलगाव के बीज रोपित करने का काम किया है। जिसमें कांग्रेस की भी भागीदारी है। हालांकि कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं है, बाहर से समर्थन दे रही है। जम्मू कश्मीर में जब धारा 370 कायम थी, तब राज्य ने क्या खोया था, यह पूरा देश जानता है। घाटी में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी घटनाएं होती रहती थी। वर्तमान केंद्र सरकार ने धारा 370 हटाकर कश्मीर को शेष भारत से समरस करने का काम किया है। इसीलिए आज जम्मू कश्मीर आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगा पाने में बहुत हद तक सफल हुआ है। वर्तमान में पूरे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के स्वर मुखरित होने लगे हैं। समान नागरिक कानून निश्चित ही सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का हिमायती है, लेकिन दूसरी ओर जम्मू कश्मीर में अलग संविधान को मान्यता देने वाली धारा 370 को लाने का प्रयत्न किया जा रहा है। यह धारा जम्मू कश्मीर को अलग पहचान देने का काम करती है। इसके चलते कश्मीर का संविधान और ध्वज अलग हो जाएगा, जो भारत के संविधान और तिरंगा से अलग होगा। यह स्थिति डॉ. भीमराव अम्बेडकर के संविधान से अलग प्रकार की होगी। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वह बयान स्वतः ही खारिज हो जाता है, जिसमें वह कहते हैं कि भाजपा संविधान फाड़कर फेंकना चाहती है।

**SYED ZAKI HAIDER**

( EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

# झारखंड के लोगों से अमित शाह की अपील

**›› भाजपा की सरकार बना दो**
**›› हम घुसपैठ को रोक देंगे**

नूना न्यूज एजेंसी

**झारखंड।** के सरायकेला विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि चंपई सोरेन जी इतने वर्षों तक वफादारी के साथ गुरु जी के साथ रहे, हेमंत जी के साथ रहे, लेकिन जिस तरीके से अपमानित करके चंपई जी को निकाला गया, वह सिर्फ चंपई सोरेन जी का अपमान नहीं है, पूरे आदिवासी समाज का अपमान है। सरायकेला से भाजपा ने पूर्व सीएम चंपई सोरेन को टीकट दिया है। उन्होंने कहा कि मुद्दा सिर्फ इतना था कि चंपई

सोरेन जी ने कहा, ये भ्रष्टाचार बंद होना चाहिए, वो (जेएमएम) भ्रष्टाचार बंद करने को तैयार नहीं थे। जेएमएम-कांग्रेस-आरजेडी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि इन्होंने एक हजार करोड़ रुपये का मनरेगा घोटाला किया, 300 करोड़ रुपये का जमीन घोटाला किया, सेना की जमीन भी हड़प ली, एक हजार करोड़ रुपये का खनन घोटाला किया और हजारों करोड़ रुपये का शराब घोटाला किया। ये घोटाले करने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि एक ओर ये इंडी अलायंस खुद को अपने कार्यकताओं को करोड़पति बनाने के लिए काम करती है, तो वहीं मोदी जी हमारी बहनों को 'लखपति दीदी' बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अभी-अभी कांग्रेस ने महाराष्ट्र में वादा किया है कि हम मुसलमानों को आरक्षण देंगे। अगर वो मुसलमानों को आरक्षण देंगे, तो आदिवासी, दलित व पिछड़ा वर्ग का आरक्षण काट कर देना पड़ेगा। लेकिन आप चिंता मत करो, आदिवासी, दलित व पिछड़ों के आरक्षण को हम हाथ नहीं लगाने देंगे। उन्होंने कहा कि आज पूरा झारखंड और विशेषकर आदिवासी क्षेत्र घुसपैठ से परेशान है। हमारे चंपई सोरेन ने जब घुसपैठ का मुद्दा उठाया, तो हेमंत बाबू ने कहा, आप सीएम पद छोड़ दो। शाह ने कहा कि आदिवासियों की आबादी कम होती जा रही है, हमारी बच्चियों से शादी रचाकर जमीन हड़पने का कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मैं आपसे वादा करता हूं, भाजपा की सरकार बना दो, हम घुसपैठ को रोक देंगे। हम कानून लाएंगे कि अगर घुसपैठिए आदिवासी बच्ची से शादी करेंगे, तो भी उनकी जमीन घुसपैठियों के नाम नहीं होगी, साथ ही ली गई जमीन को वापस दिलाएंगे।

# Majhi सरकार का एक्शन, मिनाती बेहरा को राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद से हटाया

नूना न्यूज एजेंसी

**ओडिशा।** सरकार ने प्रदर्शन समीक्षा के बाद मिनाती बेहरा को राज्य महिला आयोग (एससीडब्ल्यू) की अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देने के लिए कहा है। यह निर्णय सरकार द्वारा बेहरा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद आया है, जिसमें उनसे अपने कार्यों और प्रदर्शन के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने सोमवार को कहा कि नोटिस के लिए बेहरा के स्पष्टीकरण पर विचार करने के बाद, सरकार ने निष्कर्ष निकाला कि उसने कार्यालय में अपने समय का संतोषजनक विवरण प्रदान नहीं किया। 28 अक्टूबर को जारी नोटिस में बेहरा को 1 नवंबर तक जवाब देने का निर्देश दिया गया था। एक आधिकारिक विभाग के नोटिस में बेहरा को सूचित किया गया है कि उनकी प्रतिक्रिया उनके नेतृत्व में राज्य महिला आयोग की खराब कार्यप्रणाली को संतोषजनक ढंग से नहीं बताती है। अधिसूचना में कहा गया है कि उड़ीसा राज्य महिला आयोग अधिनियम, 1993 की धारा

4 की उप-धारा 3 के प्रावधानों के अनुसार, अध्यक्ष को 1 नवंबर, 2024 को शाम 4:00 बजे या उससे पहले जवाब देने का निर्देश दिया गया था। विस्तृत विश्लेषण के बाद, पता चला कि उनका जवाब कमजोर था और उन्होंने सरकार द्वारा उठाए गए मुद्दों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। नतीजतन, राज्य सरकार ने तत्काल प्रभाव से उड़ीसा राज्य महिला आयोग अधिनियम, 1993 की धारा 4 (3) के प्रावधानों को लागू करके बेहरा को उनके पद से हटाने का फैसला किया। अधिसूचना में जनता के हित में कार्रवाई की पुष्टि की गई है। इसमें कहा गया है कि उपरोक्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार श्रीमती को हटाने का आदेश देती है। ओएससीडब्ल्यू की अध्यक्ष मिनाती बेहरा को जनता के हित में अधिसूचना संख्या 16810, दिनांक 12.10.2022 के तहत नियुक्त किया गया। बेहरा पर एक बार राज्य सरकार द्वारा उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बाद भी कार्यालय नहीं छोड़ने का आरोप लगाया गया था। इस मामले में, चिंता का विषय सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग पर बेहरा का नियंत्रण है, जिसमें महिलाओं के मुद्दों को संभालने और उचित अवधि में उठाई गई चिंताओं का पालन करने में उनकी अनिच्छा पर कुछ चिंताएं उठाई गई हैं। इस मुद्दे ने विवाद को जन्म दिया है, कुछ लोग इस बात पर भी बहस कर रहे हैं कि क्या उठाए गए कदम उचित हैं और क्या उस समय उसे हटाना एक अच्छा विचार था। हालाँकि, यह स्पष्ट है कि राज्य चाहता है, और शायद बहुत तत्काल, कि महिला सुरक्षा और कल्याण के मुद्दे तेजी से एक समस्या बनते जा रहे हैं, इसलिए SCW को चलाने के लिए किसी बुद्धिमान प्रमुख को नियुक्त किया जाए।

# जो लोग धर्म के खतरे में होने का दावा करते हैं

## असल में उनकी पार्टी ही खतरे में है : रितेश देशमुख

नूना न्यूज एजेंसी

**छत्रपति संभाजीनगर।** बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख ने अपने भाई धीरज देशमुख के पक्ष में चुनाव प्रचार करते हुए कहा कि लोग दावा करते हैं कि धर्म खतरे में हैं,लेकिन हकीकत मेंउनकी पार्टी ही खतरे में है और वे उसे बचाने के लिए धर्म की दुहाई दे रहे हैं। रितेश लातूर में धीरज के लिए प्रचार कर रहे थे। धीरज महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में लातूर (ग्रामीण) सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रमेश कराड के खिलाफ मैदान में हैं। रितेश ने रविवार रात एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा , भगवान कृष्ण ने कहा था कि कर्म ही धर्म है। जो व्यक्ति ईमानदारी से काम करता है, वह अपना धर्म निभा रहा होता है। जो ईमानदारी से काम नहीं करता है, उसे धर्म की आड़ की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, जो लोग कहते हैं कि उनका धर्म खतरे में है, दरअसल उनकी पार्टी ही खतरे में है और वे अपनी पार्टी और खुद को बचाने के लिए अपने धर्म की दुहाई दे रहे हैं। उनसे कहिए कि हम अपना धर्म संभाल लेंगे, आप पहले विकास की बात कीजिए। अभिनेता ने कहा कि राज्य के शिक्षित युवाओं के पास नौकरी नहीं है और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी उपज की अच्छी कीमत नहीं मिल रही है। रितेश ने धीरज के 2019 का विधानसभा चुनाव 1.21 लाख वोटों के अंतर से जीतने का जिक्र करते हुए लोगों से इतने बड़े पैमाने पर मतदान करने की अपील की कि विपक्षी प्रत्याशी की जमानत जब्त हो जाए। रितेश ने युवाओं से अपने वोट के महत्व को पहचानने का आग्रह किया। उन्होंने महाराष्ट्र की पहचान और प्रत्येक नागरिक के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया।

# जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल को बड़ी राहत

## बॉम्बे हाई कोर्ट से मिली जमानत

नूना न्यूज एजेंसी

**बॉम्बे।** हाई कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को मेडिकल जमानत दे दी। एकल न्यायाधीश न्यायमूर्ति एनजे जमादार ने पहले गोयल को कैंसर का इलाज कराने के लिए अंतरिम चिकित्सा जमानत दी थी। अंतरिम आदेश सोमवार को पूर्ण कर दिया गया। इससे पहले, गोयल को कैंसर के इलाज के लिए दो महीने की अवधि के लिए अंतरिम चिकित्सा जमानत दी गई थी, क्योंकि चिकित्सा रिपोर्टों से पता चला था कि गोयल घातक ट्यूमर से पीड़ित थे। बाद में सर्जिकल प्रक्रिया के लिए इस जमानत को एक अतिरिक्त महीने के लिए बढ़ा दिया गया। उन्होंने

शुरूआत में जमानत के लिए सत्र अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जहां उन्हें मेडिकल जांच के लिए निजी डॉक्टरों से परामर्श करने की अनुमति दी गई थी। चेक-अप में उनकी स्थिति की गंभीरता का पता चला, जिसके बाद गोयल को चिकित्सा जमानत का अनुरोध करना पड़ा। विशेष न्यायाधीश ने गोयल को इलाज के लिए दो महीने तक ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की। 6 मई को, उच्च न्यायालय ने उन्हें इस शर्त के साथ दो महीने की अंतरिम चिकित्सा जमानत दी कि वह मुंबई में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के अधिकार क्षेत्र में रहेंगे। बाद में गोयल का इलाज जारी रहने के कारण इस जमानत को अतिरिक्त चार सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया। अस्पताल में भर्ती रहने की अनुमति दी। हालाँकि, चिकित्सा आधार पर स्थायी जमानत के उनके अनुरोध को अप्रैल में खारिज कर दिया गया था, हालांकि अदालत ने उन्हें अस्पताल में अपना इलाज जारी रखने की अनुमति दी थी। इसके बाद गोयल

# न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने सीजेआई पद की शपथ ली।

डॉ.समरेन्द्र पाठक
वरिष्ठ पत्रकार।

**नई दिल्ली,11 नवंबर 2024 (एजेंसी)।** न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने आज उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में न्यायमूर्ति खन्ना को

51वें सीजेआई के पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई । इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। न्यायमूर्ति खन्ना ने न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की जगह ली है,जो कल रिटायर हो गए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने न्यायमूर्ति खन्ना को शुभकामनाएँ दी है। न्यायमूर्ति खन्ना का कार्यकाल 13 मई 2025 तक रहेगा। जनवरी 2019 से सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में कार्यरत न्यायमूर्ति खन्ना कई बड़े केस की सुनवाई कर चुके हैं। वह ईवीएम की विश्वसनीयता को बनाए रखने, चुनावी बॉन्ड योजना को खत्म करने, अनुच्छेद 370 को हटाने और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने जैसे कई महत्वपूर्ण फैसलों का हिस्सा रहे। न्यायमूर्ति खन्ना का जन्म 14 मई 1960 को हुआ। उन्होंने वर्ष 1983 में दिल्ली बार काउंसिल के साथ एक वकील के रूप में अपने कैरियर की शुरूआत की थी। फिर दिल्ली उच्च न्यायालय में जज बने। इसके बाद 18 जनवरी 2019 को उन्हें सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में प्रमोट कर दिया गया था। एल.एस.

प्रदूषण की चादर ओढ़े दिल्ली, हर तरफ धूंध। (सईद अहमद)

हिंदू सिख ग्लोबल फोरम कनाडा में कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू मंदिर में जाने वाले लोगों पर हमला करने के खिलाफ कनाडा दूतावास के पास तीन मूर्ति मार्ग धरना प्रदर्शन करते हुए। (सईद अहमद)

# राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर एनआईईपीए ने आयोजित किया 15 वां मौलाना आजाद मेमोरियल लेक्चर, श्री तरुण विजय ने शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर दिया प्रेरणादायक व्याख्यान

**नई दिल्ली।** नवंबर, 11 2024: राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर 11 नवंबर 2024 को नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर के स्टीन ऑडिटोरियम में एनआईईपीए ने अपना 15 वां मौलाना आजाद मेमोरियल लेक्चर आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सदस्य, पांचजन्य के पूर्व संपादक और राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष श्री तरुण विजय को आमंत्रित किया गया था। इस व्याख्यान की अध्यक्षता लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरलीमनोहर पाठक ने की। यह कार्यक्रम प्रो. शशिकला वंजारी, कुलपति, एनआईईपीए, और श्री सूर्य नारायण मिश्रा, रजिस्ट्रार, एनआईईपीए के मार्गदर्शन और नेतृत्व में आयोजित किया गया था। इसका समन्वय प्रो. ए. के. सिंह, प्रमुख, शैक्षिक नीति विभाग, एनआईईपीए द्वारा किया गया था। राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में और भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका अपरिहार्य है। इस अंतर्निहित सार को माननीय मुख्य अतिथि श्री तरुण विजय ने अत्यंत प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने गौतम बुद्ध, चाणक्य, आदि शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी जैसे महान विचारकों और श्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हुए इस कार्यक्रम के महत्व और हमारे देश को आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनाने के मार्ग पर चलने की आवश्यकता पर जोर दिया। शिक्षा का उद्देश्य क्या है, इस पर एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हुए, मुख्य अतिथि ने कहा कि आत्मनिर्भरता की राह पर तभी चला जा सकता है जब हम अपनी भारतीय पहचान को जानें और मूल्य दें, और अपने तिरंगे झंडे, अपनी नदियों और अपनी मिट्टी के जरिए उत्पन्न होने वाले प्रतीकों का सम्मान करें। शिक्षा रोजमर्रा की समझ और उच्चतर चेतना के बीच अंतर करने में मदद करती है और राष्ट्र निर्माण तथा सतत और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए उत्प्रेरक का काम करती है। इस बात पर जोर दिया गया कि हमारे देश की समृद्धता

और गहन विविधता को समझना और उसकी सराहना करना राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। केवल डिग्री और नौकरियों के लिए शिक्षित होना शिक्षा का केवल साधनात्मक मूल्य होगा। यह व्यापक रूप से माना गया है कि हमारे देश में ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता थी और यह ज्ञान उत्पादन और प्रसार का एक प्रकाश स्तंभ था। औपनिवेशिक आक्रमण के साथ, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को नष्ट कर दिया गया, जिससे युवा पीढ़ी हमारे समृद्ध शैक्षिक विरासत से अनजान हो गई। इसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है ताकि देश के लोग हमारे नेताओं, विचारकों और वैज्ञानिकों के समृद्ध योगदान को जानें और सराहें। आज की आवश्यकता अपने राष्ट्र की समृद्ध धरोहर और इसके गौरवशाली अतीत के बारे में जानना है, जो राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत ने सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विकास का अनुभव किया है और विकसित भारत की दृष्टि के करीब पहुंच रहा है। स्टार्टअप इंडिया जैसी पहल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान को बढ़ावा देना और स्कूली शिक्षा से ही व्यावसायिक शिक्षा की शुरूआत करना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने परिवार और बच्चों में मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया, और बताया कि घर किसी भी बच्चे का पहला विश्वविद्यालय है और मातृभाषा दुनिया को समझने का पहला माध्यम है। रवींद्रनाथ टैगोर और श्री अरबिंदो जैसे महान दार्शनिकों का हवाला देते हुए, श्री तरुण विजय ने कहा कि हमारे देश की विविधता का सम्मान करने और अपने राष्ट्र से बिना शर्त प्रेम करने का बड़ा महत्व है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, देश की दीर्घकालिक विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरे शिक्षा प्रणाली में, जिसमें शासन, रेगुलेशंस और गुणवत्ता शामिल है, महत्वपूर्ण बदलावों का प्रस्ताव करती है। इस नीति में सुधार न केवल राष्ट्र निर्माण में सहायक होंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर शिक्षा तंत्र बनाने और एक न्यायसंगत समाज को बढ़ावा देने में भी योगदान देंगे। एनआईईपीए की कुलपति, प्रो. शशिकला वंजारी ने युवाओं की असीम क्षमता को विभिन्न मार्गों के माध्यम से अनलॉक करने पर जोर दिया, क्योंकि वे हमारे देश को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश की जनसांख्यिकीय लाभांश को देखते हुए, हमें युवाओं को सशक्त बनाकर अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम का समापन एनआईईपीए के रजिस्ट्रार श्री सूर्य नारायण मिश्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह अवसर, जो राष्ट्रीय शिक्षा दिवस को चिह्नित करता है, संस्थान का हर साल एक महत्वपूर्ण आयोजन होता है, और इस अवसर पर शिक्षा और सार्वजनिक नीति के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक संवाद में शामिल होने के लिए प्रतिष्ठित वक्ताओं को आमंत्रित किया जाता है।

## गोमय वसते लक्ष्मी गोमूत्रे सर्व मंगला (पद्म पुराण 1.48.164)

**नई दिल्ली।** हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार गाय में सभी देवों और देवियों का निवास है। नंदी भगवान शिव के प्रियतम हैं। अपने कृष्ण अवतार में श्री हरि ने गोपाल के रूप में अपना जीवन गायों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। गोपाष्टमी वह दिन है जब उन्होंने गाय चराने वाले के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। यह अकारण नहीं है कि युगों-युगों तक भारतवर्ष में सभी महापुरुषों ने गौवंश का पालन-पोषण और संरक्षण किया है। पांडवों ने गौवंश की रक्षा के लिए विराटनगर का युद्ध लड़ा और 14 वर्ष का वनवास जोखिम में डाला। अर्जुन ने गौवंश की रक्षा के लिए वनवास चुना। सुरभि गाय के चोरी हो जाने पर परशुराम जी ने सहस्त्र अर्जुन से कई युद्ध किए। राजा कौशिक के ब्रह्मर्षि विश्वामित्र बनने का कारण कामधेनु गाय बनी। गौ माता के अस्तित्व में कुछ ऐसा अद्भुत है जो इन्हें विशेष बनाता है। धेनु सदनं रयेनाम् - अथर्ववेद 11.1.34 में कहा गया है कि गाय सभी लाभों का भंडार है। च्यवन ऋषि ने अपने जीवन का मूल्य एक गाय के बराबर आंका। देशी गाय के दूध से निकला हुआ घी देवलोक के पोषण हेतु यज्ञ में आवश्यक सामग्री है। ऐसा कहा जाता है कि यदि आप नियमित रूप से गौमाता को चारा खिलाते हैं और वे यदि आपके सिर को चाटती हैं तो आपकी छिपी हुई मानसिक क्षमताएं फलीभूत होती हैं । यह महान संत कबीर के लिए सच था, उनकी काव्यात्मक क्षमताएं केवल तभी प्रकट हुईं जब गौमाता ने उनके सिर को चाटा। दुनिया भर में गौवंश के साथ बातचीत के लाभों को स्वीकार किया जा रहा है। पश्चिम में गौमाता को गले लगाना एक तेजी से लोकप्रिय उपचार बनता जा रहा है। इसने "काव कडलिंग" कहा जाता है। माना जाता है कि गोधूलि की बेला में जब शाम को चरने के बाद गायें घर लौटती हैं तो उनके खुरों से उड़ने वाली धूल गौवंश की सेवा करने वाले व्यक्ति को सभी बीमारियों से छुटकारा दिलाती है। आज के आधुनिक युग और समय में भी ध्यान फाउंडेशन ने अपने 45 से अधिक गौशालाओं के माध्यम से देश भर में गौवंश का पोषण और सुरक्षा करके हमारे पूर्वजों की विरासत और ज्ञान को संरक्षित किया है। इन गौशाला में ज्यादातर बूढ़े, परित्यक्त, अनाथ, बीमार, घायल, अनुत्पादक गौवंश को पुर्नवासित किया गया है। इन्हें पुलिस और सीमा सुरक्षा बलों ने तस्करी से बचाया है। गौमाता जैसे अद्भुत जीव का आशीर्वाद पाने के लिए गोपाष्टमी के शुभ मुहूर्त में इन गौशालाओं में यज्ञ और गो पूजा आयोजित की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए आप dhyanfoundation.com पर लॉग इन कर सकते हैं।

## श्रमिकों के विकास लिए क्षेत्रीय सलाहकार समिति की 68 वीं बैठक सम्पन्न

**विनोद तकियावाला**

**फरीदाबाद ।** 11 नवम्बर 2024 दतोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड, क्षेत्रीय निदेशालय,फरीदाबाद की क्षेत्रीय सलाहकार समिति की 68वीं बैठक अशोक कुमार, अध्यक्ष, क्षेत्रीय सलाहकार समिति की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में क्षेत्रीय निदेशालय फरीदाबाद द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। आदित्य भट्टाचार्य, शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी सदस्यो को क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा कार्यक्रमों के बारे में बताया। बैठक में अशोक कुमार, अध्यक्ष, क्षेत्रीय सलाहकार समिति, द्वारा सभी सदस्यों से बोर्ड के कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझाव मांगे।अध्यक्ष महोदय ने सभी उपस्थित सदस्यों को बताया की हम सभी को केंद्र व

राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओ को एक ग्रुप में सांझा करना चाहिए ताकि सभी सदस्यों को सभी तरह की योजनाओ के बारे में पता हो जिससे ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को लाभान्वित किया जा सके। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा अपने अपने स्तर पर बोर्ड के कार्यक्रमों में अपना सहयोग देने का कहा गया। श्रमिकों के सामाजिक व आर्थिक स्तर को और मजबूत करने पर भी चर्चा की गई तथा उनके ढक्र एवं ESIC से जुड़े मामलो को भी निपटाने में अपना अपना सहयोग देने की बात कही गई। इस मौके पर बैठक में अमिताम प्रकाश, क्षेत्रीय निदेशक द्वारा सभी सदस्यों से बोर्ड के कार्यक्रमों में अपना अपना सहयोग देने पर धन्यवाद व्यक्त किया। आज की बैठक में विभिन्न संस्थानो के प्रतिनिधियों जैसे अमरनाथ शर्मा, बेचू गिरि, तृप्ति प्रसाद शर्मा, विनोद कुमार सिंह, जय भगवान, प्रमोद कुमार सचदेवा,वेद प्रकाश, राजेश चौहान द्वारा भाग लिया गया।

# स्कूली बच्चों को पौष्टिक स्नैक्स देगी योगी सरकार

**दिल्ली।** नवंबर : उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा प्रदेश के बेसिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों के समग्र विकास के लिए पौष्टिक स्नैक्स उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। यह पौष्टिक स्नैक्स बच्चों को विशेष साप्ताहिक पोषण कार्यक्रम के तहत दिए जाएंगे। इसमें मूंगफली की चिक्की, बाजरे के लड्डू और भुना चना आदि शामिल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को नवंबर से बेसिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों को विशेष साप्ताहिक पोषण कार्यक्रम के तहत हर गुरुवार को पौष्टिक स्नैक्स उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। सरकार ने मध्याह्न भोजन योजना को और अधिक प्रभावी संग लाभकारी बनाने के लिए पहल की है। यह पहल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी। इस योजना में प्रदेश में पीएम पोषण योजना के तहत कक्षा 1 से 8 तक के 1.74 करोड़ छात्रों को पौष्टिक भोजन प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से बच्चों को हर दिन 100 से 150 ग्राम अनाज दिया जा रहा है। इसी क्रम में उन्होंने बच्चों के पोषण को ध्यान में रखते हुए चक्की के लड्डू, बाजरे के लड्डू, मूंगफली की चिक्की, भुना चना जैसे खाद्य पदार्थ भी योजना में शामिल करने के निर्देश दिये हैं। इसके लिए योगी सरकार करीब 95 करोड़ रुपए खर्च करेगी। छात्रों को पौष्टिक स्नैक्स का लाभ देने के लिए प्रदेश भर में 3.72 लाख रसोइयों को नियुक्त किया गया है। इन्हें प्रत्येक माह 2000 रुपए का मानदेय और साल में एक बार यूनिफॉर्म के लिए 500 रुपए की सुविधा दी जा रही है। इसके अलावा रसोइयों को नियमित प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि वे बच्चों के लिए पोषण युक्त और स्वादिष्ट भोजन तैयार कर सकें।

यह कदम योजना की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने और रसोइयों को बेहतर सेवाएं देने के लिए उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने योजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए डिजिटल निगरानी और सोशल ऑडिट करने के निर्देश दिये हैं। इससे खाद्यान्न की आपूर्ति और उपयोग की सही जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही योजना के निष्पक्षता और प्रभावशीलता को सुनिश्चित किया जा सकेगा। बता दें कि वर्तमान में जिलों में नियमित निरीक्षणों के माध्यम से योजना की गुणवत्ता पर नजर रखी जा रही है, लेकिन यह काफी नहीं है। ऐसे में डिजिटल निगरानी और सोशल ऑडिट का निर्णय लिया गया है।

## श्री राहुल गांधी ने विशाल जनसभा को संबोधित किया

**दिल्ली।** श्री राहुल गांधी ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुलाम अहमद मीर जी, केशव महतो कमलेश जी, काली चरण मुंडा जी, सप्तागिरी उल्का जी, अनिल थॉमस जी, डेविड तिर्की जी, रमा खलखो जी, अनिल कंडुलना जी, दिनेश प्रसाद जी, हमारे कैंडिडेट्स भूषण बारा जी और नमन बिक्सल कोंगारी जी, अलायंस के स्टेज पर वरिष्ठ नेता, भाईयो और बहनो, प्रेस के हमारे मित्रों, आप सबका यहां बहुत-बहुत स्वागत, नमस्कार। कैसे हैं आप लोग? ठीक हैं? आज सुबह आप दूर- दूर से चलकर आए, हमारी बात सुनने आए इसके लिए दिल से आपका मैं धन्यवाद करता हूं। जो आज देश में लड़ाई चल रही है, वह दो विचारधाराओं के बीच में चल रही है, एक तरफ इंडिया गठबंधन, कांग्रेस पार्टी, जेएमएम, बाकी पार्टियां और दूसरी तरफ बीजेपी, आरएसएस और उनके साथ जो लोग खड़े हैं। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं, हम संविधान को बचाने की कोशिश कर रहे हैं और वह इस संविधान को खत्म करना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि जो पहले था, संविधान से पहले जो था वह हो। हम चाहते हैं कि समाज में समानता हो, एकता हो, भाईचारा हो और देश को संविधान के माध्यम से चलाया जाए। अब यह जो संविधान है, यह सिर्फ एक किताब नहीं है। इस संविधान में बिरसा मुंडा जी की सोच है, है या नहीं (जनसभा ने कहा है) बिरसा मुंडा जी की सोच है, अंबेडकर जी की सोच है, फुले जी की सोच है, महात्मा गांधी जी की सोच है और हिंदुस्तान के जो गरीब लोग हैं, चाहे वह आदिवासी हों, दलित हों, पिछड़े वर्ग के लोग हों, किसान हों, मजदूर हों, उनकी रक्षा यह संविधान करता है। इसीलिए नरेंद्र मोदी जी चाहते हैं, अडानी और अंबानी चाहते हैं कि इस संविधान को खत्म।

# दिल्ली में खतरनाक प्रदूषण से जीवन पर गंभीर खतरा।

**डॉ. समरेन्द्र पाठक**
**वरिष्ठ पत्रकार।**

**नयी दिल्ली, 11 नवंबर 2024 (एजेंसी)।** राजधानी दिल्ली एवं एनसीआर में वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या के कारण जीवन पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। केंद्र एवं दिल्ली की सरकार बढ़ते प्रदूषण को कम करने के उपायों के बदले राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगी है। प्रमुख सार्वजानिक स्थलों कश्मीरी गेट बस अड्डा,आनंद विहार बस अड्डा, सीपी,एम्स चौराहा,लाल किला आदि स्थानों पर वायु प्रदूषण के कारण दिन में भी धुंध छाए रहते हैं। इस जगहों पर हालत ऐसी है, कि रोज लोगों की मौत हो रही है। डाक्टरों के अनुसार हालत पिछले एक महीने से ऐसी है,कि लोग खांसी,बुखार,आँखों में जलन, शरीर पर चकते एवं खुजली तथा गर्भवती महिलाएं परेशान हैं।अस्पतालों में ऐसे रोगियों की तादाद लगी है। खासकर दमा एवं टीबी रोगियों के लिए जानलेवा बना हुआ है। एक नए प्रकार के निमोनिया के रोगियों की संख्या बढ़ रही है। यह एक प्रकार का साइलेंट निमोनिया है,जो जल्दी पहचान में नहीं आते,लेकिन गंभीर हो सकते हैं। अस्पताल सूत्रों के अनुसार इन दिनों इमरजेंसी में निमोनिया पीड़ित मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। इनमें से कई मामलों में वॉकिंग निमोनिया या एटिपिकल निमोनिया देखा जा रहा है,जिसमें एक्स-रे में निमोनिया के लक्षण दिखाई तो देते हैं, लेकिन रोगी गंभीर रूप से बीमार नहीं होते हैं। जाने माने नेत्र रोग विशेषग्य एवं पूर्व अतिरिक्त स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.के.पी.एस.मल्लिक कहते हैं, कि बढ़ते प्रदूषण से आँखों में जलन एवं लाल होने की समस्याएं बढ़ गयी है। आजकल ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ गयी है। लोगों को इस समस्या से निपटने के लिए अनावश्यक बाहर निकलने से कुछ दिनों तक परहेज करना चाहिए और निकलने की जरूरी हो तो चश्मे का प्रयोग करना चाहिए। वरिष्ठ चर्म रोग विशेषग्य डॉ.पंकज प्रीतम कहते हैं,कि प्रदूषण की वजह से शरीर पर चकते एवं खुजली की समस्याएं बढ़ गयी है। ऐसे मरीजों की संख्या इन दिनों बढ़ती जा रही है। इससे बचाव के लिए लोग आरामदेह कपडे पहने एवं नमी प्रदायक क्रीम का इस्तेमाल करना चाहिए। जानी मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. विनीता रस्तोगी कहती हैं, कि बढ़ते वायु प्रदूषण का असर महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी पड़ा है। खासकर ऐसी महिलाएं जो कामकाजी या वर्किंग हैं। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं को खास तौर से सतर्कता बरतने की जरूरत है। सीजीएचएस के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.ए.के.झा बताते हैं, कि दिल्ली में इस समय साइलेंट निमोनिया के मामलों में,बेतहाशा वृद्धि हो रही है। यह काफी गंभीर होता है, लेकिन इसके लक्षण धीरे-धीरे उभरते हैं। हालांकि डॉ. झा ने यह भी कहा कि यह स्पष्ट नहीं है, कि प्रदूषण ही इसका मुख्य कारण है। मेडिसीन के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. गिरजेश रस्तोगी कहते हैं, कि खासकर उन लोगों को जो पहले से किसी पुरानी बीमारी से जूझ रहे हैं उन्हें अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। इसके लिए एक अच्छी जीवन, शैली अपनाना बेहद जरूरी है। जिसमें सही आहार और नियमित व्यायाम शामिल हो। एल.एस.

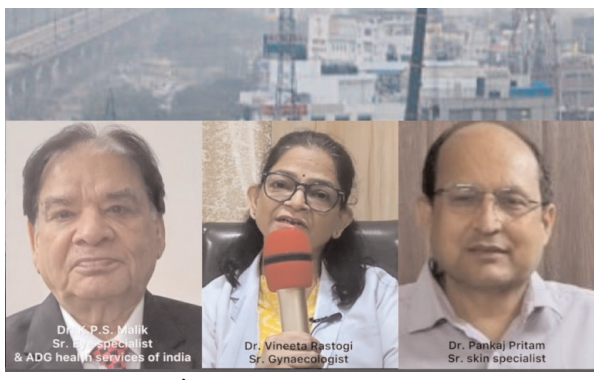


## दिल्ली की वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में, न्यूनतम तापमान 17 .6 डिग्री सेल्सियस दर्ज

**दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार सुबह वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही और दिल्ली के कई हिस्सों में धुंध की मोटी परत छाई रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली में सुबह नौ बजे कुल वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 349 दर्ज किया गया। हालांकि, दिल्ली के 39 में से कम से कम दो मौसम केंद्रों, बवाना और जहांगीरपुरी ने वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में क्रमशः 401 और 412 दर्ज किया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सुबह नौ बजे न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो इस मौसम में औसत से तीन डिग्री अधिक है। आईएमडी ने बताया कि अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। एक्यूआई के वर्गीकरण के अनुसार, शून्य से 50 की श्रेणी को अच्छा, 51-100 को संतोषजनक, 101-200 को मध्यम, 201-300 को खराब, 301-400 को बहुत खराब तथा 401-500 को गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

# गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल के स्कूली बच्चों द्वारा प्रभातफेरी निकाली

नई दिल्ली, नवम्बर : गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल तिलक नगर में श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर प्रभात फेरी निकाली गई। यह प्रभात फेरी गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल तिलक नगर से निकलकर कृष्णा पार्क तक पहुँची। इसमें स्कूल के विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता ने भी भाग लिया। इसके साथ ही दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के महासचिव जगदीप सिंह काहलों, स्कूल के वाईस चेयरमैन कवलजीत सिंह जॉली, प्रिंसीपल सहित समुचे स्टाफ ने विषेष तौर पर पहुंच कर बच्चों की हौंसला अफजाई की। जगदीप सिंह काहलो ने स्कूल की प्रिंसीपल एवं अन्य टीचर्स को इस प्रयास के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा वैसे तो सभी गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों में बच्चों को कीर्तन की सिखलाई दी जाती है और बच्चे गुरुपर्व एवं अन्य मौकों पर नगर कीर्तन व समागमों में भी कीर्तन करते आए हैं। मगर प्रभातफेरी में आकर बच्चों को कीर्तन करते देखकर उन्हें काफी प्रसन्नता हुई क्योंकि जो बच्चे बचपन से ही धर्म के मार्ग पर निकल पड़े उनका सारा जीवन स्वयं ही बदल जायेगा। उन्होंने कहा आज समय की जरुरत भी है कि हम अपने बच्चों को दुनियावी शिक्षा के साथ साथ धार्मिक शिक्षा भी दें। उन्होंने कृष्णा पार्क व आस पास की कालोनी की संगत का भी आभार प्रकट किया जिन्होंने अपने बच्चों को प्रभातफेरी में शामिल होने के लिए भेजा।

## भाजपा नेता जनता से कट गए हैं : प्रियंका गांधी

**दिल्ली।** कांग्रेस महासचिव और वायनाड लोकसभा उपचुनाव में यूडीएफ उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने रविवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना तेज करते हुए आरोप लगाया कि इसके नेता लोगों से कट गए हैं। .नाइकेटी इलाके में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने अपनी दादी एवं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और आदिवासी समुदायों के साथ उनके करीबी जुड़ाव को याद किया। प्रियंका ने कहा, आप में से जो लोग बड़ी उम्र के हैं, वे मेरी दादी इंदिरा गांधीजी के भारत के आदिवासी लोगों के साथ उनके गहरे सम्मान और जुड़ाव को याद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने हमेशा आदिवासी लोगों के जल, जंगल और जमीन से जुड़ाव पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, इसी समझ के साथ इंदिरा गांधी ने आदिवासी लोगों के अधिकारों के लिए बहुत कुछ किया। प्रियंका ने संप्रग सरकार की वन अधिकार अधिनियम, मनरेगा और शिक्षा का अधिकार जैसी पहलों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इनका उद्देश्य सबसे गरीब लोगों की मदद करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियों से केवल कुछ लोगों को ही लाभ होता है और पार्टी अपनी नकारात्मक राजनीति के माध्यम से इन अधिकारों पर हमला कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा नेता जनता से कटे हुए हैं। प्रियंका ने अपने भाषण की शुरूआत मलयालम में की और मौजूद लोगों का अभिवादन किया। आम चुनाव में रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से जीत के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा वायनाड सीट खाली करने के कारण यहां उपचुनाव कराया जा रहा है। इस सीट पर 13 नवंबर को मतदान होगा।

# बंद पड़े मकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, हजारों का सामान जलकर खाख, पुलिस जांच में जुटी

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

**हसनपुर।** सोमवार को एक बंद मकान में आग लग गई, जिससे घर में रखा हजारों रुपये का सामान जलकर खाख हो गया। बता ते चले कि आग हसनपुर नगर के मोहल्ला होली वाला शिवाला रोड निवासी शुभम अग्रवाल के आवास में लगी जो गाजियाबाद में नौकरी करते हैं, घर में केवल उनकी मां रहती हैं लेकिन वह भी बेटे के पास गाजियाबाद गई हुई थीं। ऐसे में सोमवार को मकान में ताला लगा हुआ था। अचानक शॉर्ट सर्किट से घर में रखा सामान, जिसमें बेड और अन्य सामान शामिल था, आग की लपटों में घिर गया, मकान से धुआं उठता देख मोहल्ले के लोगों में हड़कंप मच गया। पड़ोसियों ने तुरंत ताला तोड़कर आग बुझाने की कोशिश की। हालांकि आग पहले ही घर के कीमती सामान को नुकसान पहुंचा चुकी थी। मौके पर सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी पहुंच गई और आग को काबू में कर लिया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। मकान मालिक शुभम अग्रवाल को पड़ोसियों ने फोन कर आग लगने की जानकारी दी। पड़ोसियों और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया, उधर दबी जवान में लोग कह रहे हैं कि किसी ने घर में जानबूझकर आग लगाई है, वहीं अब पुलिस इस पहलू पर भी जांच कर रही है कि घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगी या किसी के द्वारा लगाई गई है।

# आर्य समाज मंदिर हसनपुर की नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

**हसनपुर।** रविवार को आर्य समाज मंदिर हसनपुर की चुनाव प्रक्रिया ज्ञानेंद्र रस्तोगी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें महिपाल सिंह गौतम को प्रधान और अंकित गुप्ता को मंत्री और कोषाध्यक्ष के पद पर उमा गुप्ता को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया बाकी अन्य पदों पर भी समस्त कार्यकारिणी का गठन किया गया इस प्रक्रिया में अन्य सदस्य गण विनय गुप्ता, पुनीत अग्रवाल ,नन्हे सिंह आर्य , सुरमित गुप्ता , ज्ञानेंद्र रस्तोगी, रमेश गुप्ता, रोहतास सिंह, पुरोहित मिलन आर्य आदि सभी लोग सम्मिलित हुए ।

# ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली ने युवक को कुचला, मौत, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

**हसनपुर।** सोमवार को ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली ने 21 वर्षीय युवक को कुचल दिया जहां युवक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। सोमवार को क्षेत्र के गांव माछरा भगवानपुर निवासी 21 वर्षीय सुभान पुत्र अलीमुद्दीन मनोटा से अपने घर को पैदल जा रहा था। जहां गजरौला रोड पर मनोटा पुल तथा दीपपुर गेट के बीच आ रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली ने सुभान को कुचल दिया। जहां सुभान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई देखते ही देखते लोगों की भारी संख्या में भीड़ जमा हो गई। और मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले लिया वहीं सूचना मिलते ही परिजन भी रोते बिलखते मौके पर पहुंच गए और परिजनों में कोहराम मच गया। उधर पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतक 6 भाई बहनों में सबसे छोटा था। वहीं मामले में कोतवाली पुलिस का कहना है कि फिलहाल मृतक का शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है परिवार के लोगों की तहरीर के आधार पर मामले में कार्रवाई की जाएगी।

# महाकुम्भ-2025 के अवसर पर व्यवस्थाओं को लेकर विचार विमर्श हुआ

लोकतंत की शान (कौशल रस्तोगी)

**लखनऊ दिनांकः** 11.11.2024 को पुलिस रेडियो मुख्यालय लखनऊ पर निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलाहाबाद के साथ गहन विचार-विमर्श किया गया। उक्त के परिप्रेक्ष्य में उ०प्र० पुलिस रेडियो विभाग एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलाहाबाद के मध्य मेमोरेण्डम ऑफ अण्डरस्टैंडिंग हस्ताक्षरित किया गया। इस दौरान डॉ० संजय तरडे पुलिस महानिदेशक दूरसंचार, डॉ० मुकुल सतावने, निदेशक सुनील कुमार सिंह, महानिरीक्षक / निदेशक, पुलिस दूरसंचार एवं राघवेन्द्र द्विवेदी, उपमहानिरीक्षक, (पुलिस दूरसंचार) तकनीकी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य भव्य एवं दिव्य महाकुम्भ-2025 के आयोजन हेतु संचार ग्रीन कारीडोर, आईआईआईटी द्वारा वीएचएफ संचार इंस्टालेशन का वेलिडेशन, नई तकनीकी उपकरणों से वीएचएफ संचार नेटवर्क का सर्वे कर ब्लैकस्पॉट को चिन्हित करते हुए वहाँ सुदृढ संचार की व्यवस्था कराया जाना, IIIT Allahabad द्वारा एडवांस कम्यूनिकेशन टेक्नालॉजी की सहायता से निर्बाध संचार प्रदान किये जाने में सहायता प्रदान किया जाना, संचार उपकरणों के विश्वसनीयता सुरक्षा एवं Scalability पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाना है। उक्त के अतिरिक्त Knowledge Transfer भी किया जायेगा। उक्त हेतु आवश्यकतानुसार IIIT Allahabad द्वारा Soft Skill एवं तकनीकी शोधित समाधान के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी सम्पादित कराये जायेंगे।

# जीएसटी विभाग द्वारा लगाया गया कैंप, व्यापारियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

**हसनपुर।** सोमवार को नगर की रस्तोगी धर्मशाला में जीएसटी विभाग द्वारा एक कैंप का आयोजन किया गया, व्यापारियों को जीएसटी में रजिस्टर्ड कराने हेतु संबंधित विभाग द्वारा कैंप आयोजित कर रजिस्ट्रेशन किए गए साथ ही व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 ने भी सहयोग किया, सोमवार को राज्य सरकार कर विभाग अमरोहा द्वारा नगर में कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें कर अधिकारी डॉ आलोक कुमार द्वारा बताया गया कि रजिस्टर्ड व्यापारियों को जीएसटी में रजिस्ट्रेशन कराने हेतु इस कैंप का आयोजन किया गया है। साथ ही जो व्यापारी रजिस्टर्ड है वह अपना जीएसटी रजिस्ट्रेशन जरूर कर लें। सभी को कैंप के माध्यम से जागरूक कर रजिस्ट्रेशन करने की अपील की गई तथा रजिस्ट्रेशन भी किए गए हैं। वहीं व्यापारी उपभोक्ता फोरम संस्थान नगर अध्यक्ष तरुण अग्रवाल ने बताया कि संगठन के द्वारा सहयोग कर कैंप आयोजित कराया गया है। और अन रजिस्टर्ड व्यापारियों का रजिस्ट्रेशन भी कराया जा रहा है। इस दौरान मौके पर जीएसटी अधिकारियों में डॉक्टर आलोक कुमार, महेश चंद्र, विनोद कुमार, रमेश कुमार समेत व्यापारी संगठन के सचिन गुप्ता, तरुण अग्रवाल, लोकेश अग्रवाल, अरुण त्यागी, प्रशांत शर्मा, पंकज भटनागर, रानू रस्तोगी, मनीष कुमार, सुशील रस्तोगी, अलीमुद्दीन, नीरज त्यागी समेत अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

# भूमि पूजन के साथ शुरू हुई हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव की तैयारी

लोकतंत्र की शान /लखनऊ ब्यूरो (देवेंद्र शर्मा )

**लखनऊ-** विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी मां गायत्री जनसेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव 2024 का आयोजन मान्यवर कांशीराम संस्कृतिक स्थल,स्मृति उपवन, बांग्ला बाजार, आशियाना,लखनऊ में किया जा रहा है। आज तैयारी कार्य प्रारंभ करने के प्रथम सोपान में भूमि पूजन कर प्रभु श्री गणेश जी,माता गायत्री जी, माता लक्ष्मी, माता दुर्गा जी, माता सरस्वती जी, माता काली जी एवं माता पृथ्वी जी सहित समस्त देवी देवताओं का आह्वाहन कर पूजन,आरती कर कार्यक्रम की सफलता कुशलता एवं जग कल्याण के लिए कामना की गयी। मुख्य आयोजक एवं महोत्सव समिति के अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह,गुंजन वर्मा,विनय दुबे, रनवीर सिंह ने पूजा हवन कर कार्यक्रम की सफलता हेतु प्रभु जी से कामना की। कार्यक्रम में आयोजन समिति में विशेष रूप से संतोष श्रीवास्तव, हेमू चौरसिया, मोनालिसा, रोली जायसवाल,सनी गुप्ता, शुभम गुप्ता, सूरज जैसवानी, हितांशु दीक्षित, नीलम श्रीवास्तव, प्रदीप शुक्ला, मनीष पंडित, अंशुमान सिंह, सत्य शरण सिंह ,अमित तिवारी, ठाकुर राम सिंह, रोली सिंह,भारती सिंह, दुर्गेश प्रताप सिंह, सरुपा तिवारी, सौम्या शुक्ला, दीपिका मिश्रा, तृप्ति पांडे, एड गोविंद कनौजिया, एडवोकेट शक्ति सिंह, रवि पाण्डेय, विवेक कुमार, शुभम आदि उपस्थित रहे भूमि पूजन का कार्य वैदिक पंचामृत संस्थान के पंडित अनुराग मिश्र शास्त्री जी द्वारा संपन्न कराया गया।

# उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति का शुभारंभ

लोकतंत्र की शान (कौशल रस्तोगी)

भारत शिक्षा एक्सपो 2024 के पहले संस्करण का सोमवार को ग्रेटर नोएडा में उद्घाटन हुआ, जिसमें प्रदेश की उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति 2024 का शुभारंभ किया गया। यह नीति राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। यह आयोजन 11 से 13 नवंबर 2024 तक चल रहा है, जिसका आयोजन उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीएनआईडीए) के सहयोग से किया जा रहा है। इस एक्सपो का उद्देश्य भारत के शैक्षिक भविष्य को आकार देना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के लक्ष्यों को बढ़ावा देना है। उच्च शिक्षा मंत्री ने उत्तर प्रदेश के एक आधुनिक शिक्षा केंद्र बनने की दिशा में हो रहे परिवर्तनों का उल्लेख किया। उन्होंने प्राचीन नालंदा और तक्षशिला के शिक्षा केंद्रों का उदाहरण देते हुए बताया कि ग्रेटर नोएडा और राज्य शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से उभर रहे हैं। उन्होंने कहा, "भारत शिक्षा एक्सपो 2024 एनईपी के मूल सिद्धांतों को साकार करने का उत्कृष्ट प्रयास है।" उन्होंने इस नीति को निजी निवेश को बढ़ावा देने वाला बताया, जिससे शैक्षिक अवसरों का विस्तार होगा। उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति 2024, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रोत्साहनों की व्यवस्था करती है, जिसमें,स्टाम्प शुल्क में छूटः निजी विश्वविद्यालयों के लिए अविकसित जिलों में 50% तक छूट। पूंजी अनुदानः परियोजना लागत का 17 प्रतिशत तक या 35 करोड़ रुपये तक की सहायता। विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए विशेष सहायताः राज्य में पहले पांच विदेशी विश्वविद्यालयों को 100 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क माफी और 20 प्रतिशत तक की पूंजी सब्सिडी।

**आकांक्षी जिलों के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहनः संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए विशेष प्रोत्साहन।**

इन प्रोत्साहनों का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों के लिए आकर्षक बनाना है, जिससे उच्च गुणवत्ता की नौकरियों का सृजन होगा और सतत आर्थिक विकास को बल मिलेगा। यह नीति विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है, जो स्वचालन के कारण रोजगार में आने वाले परिवर्तनों को संबोधित करती है। नीति का उद्देश्य छात्रों को भविष्य के रोजगार बाजार के लिए तैयार करना है, जिसमें क्रिटिकल थिंकिंग और डिजाइन थिंकिंग जैसे कौशल पर जोर दिया गया है। उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति 2024 राज्य के दीर्घकालिक शैक्षिक और आर्थिक लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इस नीति के माध्यम से राज्य का ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो (जीईआर) जो वर्तमान में 24.1 प्रतिशत है, उसे 2035 तक 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इसके अलावा, सरकार "वन डिस्ट्रिक्ट, वन यूनिवर्सिटी" पहल के माध्यम से हर जिले में एक विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है, ताकि राज्य के हर क्षेत्र में शिक्षा की समानता सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार धीरेन्द्र पाल सिंह, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अतिरिक्त सीईओ प्रेरणा सिंह, उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव शिपू गिरी, नीति आयोग के अटल नवाचार मिशन के परियोजना निदेशक रोहित गुप्ता और इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के चेयरमैन डॉ. राकेश कुमार उपस्थित रहे।

# चौक क्षेत्र मे बदबूदार पानी आने के कारण बीजेपी पार्षद ने किया प्रदर्शन

## बीजेपी पार्षद का आरोप कई बार सिकायत की गई कोई समाधान नहीं हुआ

लोकंतंत्र की शान /लखनऊ ब्यूरो (देवेंद्र शर्मा )

गंदे पानी की समस्या को लेकर चौक क्षेत्र के बीजेपी पार्षद अनुराग मिश्रा स्थानीय लोगों के साथ मिलकर सोमवार को जीएम जलकल कार्यालय पर धरना दिया। उनका आरोप था कि लगातार शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। अनुराग मिश्रा के साथ स्थानीय लोगों ने जलकल महाप्रबंधक कार्यालय के सामने हाथों में पानी का बर्तन लेकर प्रदर्शन किया। आरोप था कि छह महीने में बोरिंग का कार्य पूरा न होने, सीवर लाइन डालने के दौरान धंसी गली की मरम्मत न करने और पाइप लाइन की लीकेज को सही न करवाने से परेशानी बढ़ गई है। इस दौरान समस्याओं को दूर करने के लिए महाप्रबंधक को ज्ञापन दिया गया। महीनों से बनी हुई समस्या चौक काली बाजार वार्ड के पार्षद अनुराग मिश्रा के नेतृत्व में वार्ड के खेत गली निवासी रिद्धि किशोर गौंड़, आशीष अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, अवधेश शुक्ला, पशुपति तिवारी, उमेश धनुक, रमेश चंद्र, ऋषि आदि सोमवार को जलकल महाप्रबंधक के कार्यालय पर पहुंचे।यहां पर पेयजल आदि समस्या को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्षद ने बताया कि चौक काली बाजार वार्ड के अंतर्गत कई स्थानों पर पेयजल की समस्या महीनों से बनी हुई है।

**छह महीने से काम शुरू नहीं हुआ**

अनुराग मिश्रा ने बताया कि छह महीने से पहले खेत गली में बोरिंग का काम शुरू किया गया था, जो कि आज तक पूरा नहीं हुआ है। पाइप लाइन जगह-जगह से लीकेज है, जिसके कारण घरों में पानी भी नहीं पहुंच पा रहा है। पेयजल के लिए लोग भटक रहे हैं। अनुराग मिश्रा ने बताया कि वार्ड के खेत गली, माली खां सराय व चौक रोड क्षेत्र में पानी की समस्या को लेकर पहले भी पत्राचार कर चुके हैं। कार्यकारिणी की बैठक में भी मुद्दा उठा चुके हैं।

**पहले भी दे चुके धरना**

पार्षद ने बताया कि सहयोगी पार्षद मनीष रस्तोगी भी इस मुद्दे को लेकर चौपटिया खेत गली फाटक पर धरना दे चुके हैं। बावजूद इसके जलकल के अधिकारी सुन नहीं रहे हैं। आशीष अग्रवाल ने कहा कि कई जगहों पर बैठ गई और शिकायत करने पर कहा जाता है कि सीवर लाइन पूरी तरह से पड़ जाने पर ही गली की मरम्मत होगी। जल्द ही काम नहीं होने की स्थिति में आने वाले दिनों में अधिकारियों के घेराव की चेतावनी दी गई है।

## बिना चिंता कराइए उपचार, हॉस्पिटल का पैसा देगी सरकार : सीएम योगी

# जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मदद मांगने आए लोगों को मुख्यमंत्री ने दिया भरोसा

**गोरखपुर, 11 नवंबर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे से लोगों को आत्मीय भरोसा दिया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी। सीएम योगी ने इस दौरान अफसरोंको निर्देशित किया कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है और उन्हें उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार शाम विधानसभा उपचुनाव प्रचार करने के बाद गोरखपुर पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद सोमवार पूर्वाह्न झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने सभी को भरोसा दिया कि उनकी सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से मदद की जाएगी। इस दौरान एक महिला ने अपने परिजन का इलाज मेदांता अस्पताल में कराने के लिए अपनी आर्थिक तंगी का जिक्र किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उसे आत्मीय संबल देते हुए कहा, अस्पताल में भर्ती कराकर डॉक्टर से इस्टीमेट मंगवा लीजिए। परेशान होने की आवश्यकता नहीं है, उपचार का पैसा सरकार देगी। मुख्यमंत्री ने सभी से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

**मंदिर की गोशाला में सीएम योगी ने की गोसेवा**

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। सोमवार प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश नवाने के बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने कुछ समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को खूब दुलारने के बाद उन्हें गुड़ खिलाया और गोशाला के भी कार्यकताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

# योगी सरकार ने 14 लाख गर्भवती महिलाओं को दी निजी केंद्रों पर फ्री अल्ट्रासाउंड की सौगात

## - हर माह की 1, 9, 16 और 24 तारीख को गर्भवती महिलाओं को ई-रुपी वाउचर जारी कर रही योगी सरकार

**लखनऊ, 11 नवंबरः** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेशवासियों को सुगम, सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने के लिए लगातार अहम कदम उठा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि पिछले साढ़े सात वर्ष में प्रदेश के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव हुआ है, जिसने कभी बीमारू प्रदेश कहे जाने वाले उत्तर प्रदेश को आज उत्तम प्रदेश की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। इसी के तहत योगी सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं को निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर फ्री अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक 6 लाख से अधिक गर्भवती महिलाएं सुविधा का लाभ उठा चुकी हैं। इतना ही नहीं, योगी सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं को प्रदेश के किसी भी जिले के इम्पैनल्ड निजी अल्ट्रासाउंड केंद्र पर फ्री अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है ताकि उन्हे सुविधा का लाभ उठाने के लिए भटकना न पड़े।

प्रदेश के 1,861 निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर दी जा रही फ्री अल्ट्रासाउंड की सुविधा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य को लेकर काफी गंभीर हैं। ऐसे में, उन्हें गुणवत्तापूर्ण इलाज के साथ ही पुष्टाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश की गर्भवती महिलाओं को पीपीपी मोड पर फ्री अल्ट्रासाउंड के लिए ई रुपी वाउचर की सुविधा फरवरी 2023 उपलब्ध करायी जा रही है। यह सुविधा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर दी जा रही है। मिशन निदेशक ने बताया कि सुविधा का लाभ देने के लिए प्रदेश के 75 जिलों में 1,861 निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों को इम्पैनल्ड किया गया है। शासन द्वारा अब तक गर्भवती महिलाओं को 14,50,238 ई-रुपी वाउचर जारी किये जा चुके हैं। वहीं गर्भवती महिलाओं द्वारा 6,81,341 ई-रुपी वाउचर का लाभ उठाया जा चुका है। बता दें कि गर्भवती महिलाएं एक माह तक जारी ई-रुपी वाउचर का लाभ उठा सकती हैं। इसके बाद यह स्वतः कैंसिल हो जाता है। वहीं गर्भवती महिला द्वारा समय सीमा में लाभ न उठा पाने पर वह दोबारा ई-रुपी वाउचर प्राप्त कर सकती हैं।

हर माह की 1,9,16 और 24 तारीख को जारी किये जा रहे अल्ट्रासाउंड के ई-रुपी वाउचर

मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर गर्भवती महिलाओं को जिला महिला चिकित्सालय, संयुक्त चिकित्सालय, सीएचसी के साथ पीएचसी पर हर माह की 4 पीएमएसएमए दिवसों क्रमशः 1, 9, 16 और 24 तारीख को ई-रुपी वाउचर जारी किये जाते हैं। उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुविधा का ज्यादा लाभ देने के लिए अभियान और प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये हैं। ऐसे में, सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आशा कार्यकत्रियों द्वारा घर-घर जाकर सुविधा के बारे में बताया जा रहा है।

# हरियाणा

# देश को मजबूत और सशक्त बनाने में भाजपा का अहम योगदान : मुख्यमंत्री नायब सिंह

देश में 90 दिन में भाजपा के बने 10 करोड़ नए सदस्य, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा विधानसभा में कनीपला गांव के बूथ से शुरू किया भाजपा सदस्यता अभियान

## कुरुक्षेत्र जिले में भाजपा के 3 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य, हर बूथ पर बनाएं जाएंगे 370 सदस्य

लाडवा, नवंबर : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश को सशक्त और मजबूत बनाने में भारतीय जनता पार्टी का अहम योगदान रहा है। इस पार्टी का एक-एक सदस्य आमजन तक सरकार की नीतियों को पहुंचाने का काम कर रहा है। अब देश में 10 करोड़ नए भाजपा सदस्य इस कार्य को और मजबूती के साथ करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को गांव कनीपला में भाजपा जिला कार्यकारिणी द्वारा आयोजित भाजपा सदस्यता अभियान के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा के जिला अध्यक्ष सुशील राणा ने गांव कनीपला से लाडवा विधानसभा के सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने लाडवा के साथ-साथ प्रदेश में भाजपा को भारी बहुमत से जीताने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के नागरिकों ने जो जिम्मा सौंपा है उस जिम्मेवारी को पूरी तरह निभाने का काम करेंगे और मिलकर प्रदेश की तेज गति से प्रगति करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली के नेतृत्व में बूथ स्तर पर भाजपा के नए सदस्य बनाने का अभियान चल रहा है। इस अभियान के तहत पिछले 90 दिनों में देश में 10 करोड़ भाजपा के नए सदस्य बनाए गए है। इस अभियान के तहत नए सदस्यों को साथ जोड़ने के लिए विधानसभा, गांव और बूथ स्तर पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि हर व्यक्ति को पार्टी का सदस्य बनाया जाए ताकि प्रत्येक नागरिक देश के विकास में अपना योगदान दे सके। इसलिए भाजपा की तरफ से अपील की जा रही है कि प्रत्येक नागरिक भाजपा की सदस्यता को ग्रहण कर। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी ने देश में यात्राएं निकाली और देश को तोड़ने का काम किया। इससे पहले सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की 566 रियासतों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। अब जम्मू कश्मीर में कांग्रेस एक रियासत को संभालने में मशक्कत कर रही है। इस प्रदेश में धारा 370 को तोड़ने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव रखा गया और राहुल गांधी ने धारा 370 को तोड़ने के लिए सबसे पहले समर्थन देने का फैसला लिया। कांग्रेस की सोच है कि जम्मू कश्मीर में बसने वाले वाल्मीकि समाज, प्रवासी लोगों और पहाडी गुर्जर समाज को वोट डालने का अधिकार ना मिले। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी सरकार किसी भी कीमत पर धारा 370 को टूटने नहीं देगी। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि लाडवा हल्का का एक-एक नागरिक खुद को सीएम होने की फीलिंग ले रहा है। इस हल्का में जिस तरह से विकास कार्यों का कारवां शुरू हुआ है उससे लगता है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हमेशा ही लाडवा से विधायक रहेंगे और प्रदेश के हमेशा ही मुख्यमंत्री रहेंगे। इस हल्का के लिए मुख्यमंत्री दिन रात कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा के साथ कुरुक्षेत्र में 3 लाख से ज्यादा नए सदस्य जुड़ेंगे और भाजपा सबसे मजबूत संगठन बनेगा। भाजपा के जिला अध्यक्ष सुशील राणा ने मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश, प्रदेश और कुरुक्षेत्र जिले में नए सदस्य बनाने का भाजपा की तरफ से एक नया अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को लेकर प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली की अध्यक्षता में एक कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में पूरे प्रदेश में 50 लाख नए भाजपा सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया। इन आदेशों की पालना करते हुए और मुख्यमंत्री का जिला होते हुए कुरुक्षेत्र में 3 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बूथ स्तर पर कम से कम 370 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य भाजपा कार्यकताओं को दिया गया है। भाजपा नेता जयभगवान शर्मा डीडी ने मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा देश ही नहीं विश्व का सबसे मजबूत संगठन है। इस संगठन के साथ जुड? के लिए हर व्यक्ति में उत्साह देखने को मिल रहा है। इस कार्यक्रम को देशराज शर्मा, मुकेश लाठर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर भाजपा नेता सुभाष कलसाना, डा. ऋषिपाल मथाना, रविन्द्र सांगवान, राजकुमार, दवेन्द्र शर्मा, पृथ्वी, परमजीत कौर कश्यप, धर्मवीर लाठर, मुकेश, कर्मचंद, निर्मल, जितेन्द्र खैरा, अन्नू मलयान, वंदना, जरनैल,रामकुमार, जसवंत राज आदि उपस्थित थे।

गांव कनीपला में मुख्यमंत्री नायब सैनी। (डिम्पी)

## राहुल गांधी को किसी भी विषय पर बोलने से पहले उसकी जानकारी लेनी चाहिए : अनिल विज

**कांग्रेस ने रोने का मापदंड तय कर लिया है, जब हार जाते है तो ईवीएम का रोना शुरू हो जाता है, जहां ये जीतते है वहां कुछ नहीं कहते : मंत्री अनिल विज**

मंत्री अनिल विज

अंबाला छावनी, नवम्बर : हरियाणा के परिवहन, बिजली एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को किसी विषय पर बोलने से पहले उसकी जानकारी लेने की नसीहत दी है। विज ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी के बयान कि भारतीय कर ढांचा सिर्फ गरीबों को लूटने के लिए बनाया गया है पर पलटवार करते हुए कहा कि भारतीय कर का ढांचा कांग्रेस के राज में इनकम टैक्स व शेयर टैक्स बना हुआ था जिसमें सुधार कर जीएसटी बनाया गया है। राहुल गांधी को पता नहीं है कि उनकी सरकारों के प्रतिनिधि भी उसमें बैठते थे, वहीं जीएसटी काउंसिल ही कानून बनाती है। राहुल गांधी कहीं से भी बोलना शुरू कर देते है, बोलने से पहले किसी विषय की जानकारी लेनी चाहिए और फिर उसपर टिप्पणी करनी चाहिए।

### केजरीवाल ने सारे देश की राजनीति को खराब किया : अनिल विज

अरविंद केजरीवाल ने एक बयान में कहा कि भाजपा या फिर कांग्रेस दोनों मुफ्त में बिजली नहीं दी है पर प्रतिक्रिया देते हुए हरियाणा के बिजली मंत्री अनिल विज में कहा कि अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया है कि सरकारों को मुफ्त चीजें बांटने से पहले सोचना चाहिए और केजरीवाल ने सारे देश की राजनीति को खराब किया है और खुद इनके प्रदेशों में जो इन्होंने कहा था मिल नहीं रहा। लोगों ने लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सात सीटों पर इन्हें हराकर बता दिया कि केजरीवाल की नीतियां ठीक नहीं हैं। कांग्रेस नेता खड्गे ने कहा है कि भाजपा भड़काऊ भाषण के जरिए मूल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटका रही है जिस पर तंज कसते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि भाजपा की नीतियों को सारा देश सराहता है। भाजपा विकास की और हम सब एक है की राजनीति करती है। भाजपा कभी जातिवाद या क्षेत्रवाद की राजनीति नहीं करती।

हरियाणा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार को लेकर कांग्रेस ने फिर रिव्यू मीटिंग का आयोजन किया था जिस पर खड्गे ने सिर्फ ईवीएम के मुद्दे को उठाने की बात कही थी पर तंज कसते हुए हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस ने रोने का मापदंड तय कर लिया है, जब हार जाते है तो ईवीएम का रोना शुरू हो जाता है, जहां ये जीतते है वहां कुछ नहीं और जहां से हार जाते है वहां ईवीएम का रोना शुरू हो जाता है। अगर ऐसा ही है तो होंगे वहां से भी इस्तीफा देना चाहिए जहां से वे जीते है।

## अनिल विज हर सोमवार केवल अम्बाला छावनी विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को सुनेंगे

**अम्बाला छावनी के पीडब्ल्यूडी रैस्ट हाऊस में हर सोमवार प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे तक सुनी जाएंगी समस्याएं**

**समस्याओं का मौके पर ही निदान करने के लिए विभागीय अधिकारियों को भी मौके पर मौजूद रहने के निर्देश दिए**

अंबाला छावनी, नवम्बर : हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज अम्बाला छावनी विधानसभा क्षेत्र की जनता की हर सोमवार को प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे तक जन समस्याओं को सुनेंगे। पत्रकारों से बातचीत के दौरान विज ने बताया कि अम्बाला छावनी विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनने के लिए सोमवार का दिन तय किया है जिसमें विभागीय अधिकारी भी मौके पर ही मौजूद रहेंगे ताकि लोगों की समस्याओं का निदान हो सके। उन्होंने बताया कि केवल अम्बाला छावनी के लोगों की समस्याओं को सुना जाएगा तथा यदि कोई इमरजैंसी है तो जनता के लिए उनके दरवाजे हर समय खुले हैं। मगर, नियमित कार्यों के लिए जनता हर सोमवार प्रातः: 10 से दोपहर 12 बजे तक उनसे मिल सकती है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी रैस्ट हाऊस में वह केवल अम्बाला छावनी के लोगों की समस्याओं को ही सुनेंगे, अम्बाला छावनी से बाहर के लोग अपने क्षेत्र के विधायकों को समस्या बताएं या फिर मुख्यमंत्री जी ने समस्याएं सुनने के लिए अलग-अलग फोरम बनाए हैं, वहां लोग अपनी समस्या बता सकते हैं।

मंत्री अनिल विज

## हरियाणा के नारनौल में महिला मरीजों को अब नहीं होगी परेशानी : आरती राव

आरती सिंह राव

चंडीगढ़, नवंबर : नारनौल जिला नागरिक अस्पताल में गाइनोकोलॉजिस्ट की कमी को देखते हुए हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने संज्ञान लिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं को जिला नागरिक अस्पताल नारनौल में 8 महिला चिकित्सकों को 14-14 दिनों के लिए रोटेशन में ड्यूटी लगाने के आदेश दिए हैं। आदेशों की अनुपालना करते हुए महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं ने नागरिक अस्पताल गुरुग्राम से डॉ. मीनाक्षी, डॉ. सुमन, डॉ. रश्मि, डॉ. सुषमा, डॉ. साल्कि और डॉ. पूनम को नागरिक अस्पताल नारनौल में ड्यूटी करने के आदेश दिए गए हैं। एसडीसीएच पटौदी से डॉ. योगेश्वरी और डॉ. ज्योति को भी नागरिक अस्पताल नारनौल में ड्यूटी के लिए लगाया गया है। नारनौल के जिला नागरिक अस्पताल में गाइनोकोलॉजिस्ट चिकित्सक नहीं थी।

## एचसीएस अधिकारी यौन उत्पीड़न मामला

# आरोपी एसडीएम से एक दिन के रिमांड पर पूछताछ

**रिमांड के बाद अदालत में पेश, न्यायिक हिरासत में भेजा आरोपी**

हिसार, नवबर : एचसीएस अधिकारी यौन उत्पीड़न के चर्चित मामले में आरोपी कुलभूषण बंसल को एक दिन के रिमांड पर पूछताछ करने के बाद अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी हांसी के एसडीएम रहे कुलभूषण बंसल को गिरफ्तार किए जाने के बाद अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड के पेशकश की गई थी। पुलिस ने आरोपी कुलभूषण के लिए अदालत से पुलिस हिरासत की दो दिन की मांग की थी। रिमांड की मांग के दौरान पुलिस ने अदालत को बताया कि आरोपी से शिकायतकर्ता के आरोप अनुसार उस जगह की निशानदेही करवानी है। इसके अलावा आरोपी से धमकी देते हुए इस्तेमाल किए गए हथियार की बरामदगी भी करनी है। पुलिस ने बताया कि रिमांड के दौरान घटनाक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी भी जुटाई जानी है। दो दिन के रिमांड की मांग पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी कुलभूषण को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजते हुए रविवार को अदालत में पेश किए जाने के आदेश दिए।

मामले की जांच कर रही सिविल लाइन पुलिस ने आज रिमांड की अवधि समाप्त होने के बाद आरोपी एचसीएस अधिकारी कुलभूषण बंसल को अदालत में पेश किया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले के जांच अधिकारी ने बताया कि रिमांड के दौरान आरोपी से घटनाक्रम के बारे में विस्तार से पूछताछ करते हुए जगह की भी निशानदेही करवाई गई है। इसके अलावा आरोपी से कोई हथियार बरामद नहीं हो पाया है।

गौरतलब है कि एक पुरुष कर्मचारी के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में एचसीएस अधिकारी हांसी एसडीएम कुलभूषण बंसल अब बुरी तरह फंस गए हैं। उन्हें पुरुष कर्मचारी के यौन शोषण के मामले में गिरफ्तार करने के बाद रिमांड के दौरान पूछताछ की कार्रवाई भी पूरी कर ली गई है। आरोपी कुलभूषण बंसल के खिलाफ हिसार पुलिस ने बीती वीरवार रात को ही यौन शोषण समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया था। इससे पहले एसडीएम को वीरवार शाम को निलंबित करने के आदेश जारी कर दिए गए थे।

पीड़ित कर्मी की तरफ से इस मामले में सीएम विंडो से लेकर एससी आयोग, डीजीपी व अन्य अधिकारियों को शिकायत भेजी गई थी। हिसार के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मोहन ने कहा कि बंसल को गिरफ्तार कर एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया था तथा आज अदालत में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। गौर करने वाली बात यह भी कि शिकायतकर्ता पीड़ित कर्मचारी ने अधिकारी पर जातिवादी टिप्पणी करने और छह महीने तक उसका शोषण करने का आरोप लगाया है। एचसीएस अधिकारी कुलभूषण बंसल पर भारतीय दंड संहिता की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध) और 506 (आपराधिक धमकी) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी एचसीएस अधिकारी कुलभूषण बंसल को जेल ले जाती पुलिस।

## घमंड करने वालों व अंहकारियों की मरोड़ निकाल देती है प्रदेश की जनता : अरविंद शर्मा

कार्यक्रम में शिरकत करते कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा एवं अन्य।

**प्रदेश में डीएपी की कोई कमी नहीं, मुख्यमंत्री स्वयं कर रहे निगरानी, अधिकारियों को दिए गए है कड़े निर्देश**

**कैबिनेट मंत्री बोले, अब हरियाणा में लंबे समय तक रहेगी भाजपा की सरकार, विकसित भारत का होगा सपना होगा साकार**

गोहाना, नवंबर : प्रदेश के सहकारिता, जेल, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस सांसद कहते फिरते थे कि वो हरियाणा है प्रधान, अब तो उन्हें पता चल गया होगा कि प्रदेश की जनता घमंड व अंहकार करने वालों की किस तरह से मरोड़ निकाल देती है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गोहाना की जनता हो जल्द ही बडे प्रोजेक्ट की सौगात मिलेगी और विकास के मामले में गोहाना एक नंबर पर होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदेश में डीएपी की कोई कमी नहीं है, मुख्यमंत्री नायब सैनी स्वयं निगरानी रखे हुए है और अधिकारियों इस बारे में उचित दिशा-निर्देश दिये गए है कि किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। रविवार को कैबिनेट मंत्री ने गोहाना में कई कार्यक्रमों में शिरकत की। उन्होंने सोनीपत रोड से पानीपत रोड के सौंदर्यीकरण का शिलान्यास किया। साथ ही उन्होंने गुरुद्वारा सिंह सभा द्वार का अनावरण भी किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश में अब एक तरह से कांग्रेस का आधार खत्म हो चुका है और अब हरियाणा में भाजपा की सरकार लंबे समय तक रहेगी। उन्होंने कहा कि डीएपी के नाम पर कांग्रेस किसानों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है, जबकि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है। डीएपी मामले को लेकर मुख्यमंत्री स्वयं निगरानी रखे हुए है और किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा किये गए सभी वायदों को पूरा किया जाएगा। कांग्रेस ने तो हमेशा ही झूठ का सहारा लिया, लेकिन प्रदेश की जनता ने कांग्रेस के झूठ को पूरी तरह से नकार दिया है और अब कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष रजनी विरमानी, इंद्रजीत विरमानी, बलराम कौशिक, सुमित कक्कड़, भूपेंद्र मुदगिल, जयदेव देशवाल, सरदार कबूल सिंह, नगर परिषद की कार्यकारी अधिकारी निशा शर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# सुरजेवाला लगातार झूठ बोल कर किसानों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं : प्रवीण अत्रेय

कैथल, नवंबर : मुख्यमंत्री के प्रैस सचिव प्रवीण अत्रेय ने कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के फसल खरीद प्रबंधन वाले बयान की कड़े शब्दों में निंदा की है। यहां जारी प्रैस विज्ञप्ति में प्रवीण अत्रेय ने कहा कि रणदीप सुरजेवाला एसी में बैठकर बयानवीर न बनें, मंडियों में जाकर हरियाणा सरकार द्वारा फसल खरीद के प्रबंधन को देखें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पद संभालते ही पहला कार्य किसानों को कम वर्षा के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए 2000 रुपए प्रति एकड़ का बोनस देकर किया। साढ़े 50 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा धान खरीदा गया और 11000 करोड़ से अधिक का पैसा किसानों को ट्रांसफर हुआ।

प्रवीण अत्रेय

उन्होंने कहा कि 9 नंवबर तक 154000 मीट्रिक टन डीएपी किसानों को उपलब्ध कराया गया, जबकि पिछले साल इस समय तक 146000 मीट्रिक टन डीएपी की मांग थी। मुख्यमंत्री लगातार अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं कि किसानों को किसी बात की दिक्कत ना हो। प्रवीण अत्रेय ने किसानों से भी की अपील की कि कम उर्वरक का इस्तेमाल करते हुए पैनिक परचेज से बचें। सुरजेवाला को यह समझ लेना चाहिए कि झूठ के भरोसे राजनीति नहीं चला करती। वे लगातार झूठ बोल कर हरियाणा के किसानों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन हरियाणा की जनता कांग्रेस की असलियत पहचान चुकी है। उन्होंने कहा कि विधान सभा चुनावों के बाद कांग्रेस पार्टी सदमे में है।

# हरियाणा के 36 आरोही स्कूलों के कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग सात साल से लटकी

2011 में शुरू हुए आरोही स्कूल, पांच वर्ष की सेवा के बाद नियमित करने का प्रावधान, पर आज भी अधर में लटका मामला

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा के 36 आरोही मॉडल स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों का भविष्य 7 साल से अधर में लटका हुआ है। 2011 में शुरू हुए इन स्कूलों में 2232 पदों पर नियुक्त किए गए कर्मचारियों को पांच वर्ष की सेवा पूरी करने पर नियमित करने का प्रावधान था। उन्हें नियमित कर्मचारियों की तरह समान वेतनमान और अन्य भत्तों का भी आश्वासन दिया गया था। लेकिन वर्षों बाद भी ये वादे अधूरे हैं और कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत हैं।

खास बात यह है कि 21 जुलाई 2023 को तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव (विद्यालय शिक्षा) राजेश खुल्लर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नियमितीकरण के प्रस्ताव पर सहमति दी गई। निर्णय लिया गया कि प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। लेकिन अभी तक इस पर कोई आधिकारिक पत्र जारी नहीं हुआ है। कर्मचारियों को हर बार आश्वासन दिया जाता है, लेकिन ठोस कदमों का अभाव है।

### आरोही मॉडल स्कूलों की स्थापना और कर्मचारियों के अधिकार

आरोही मॉडल स्कूलों की शुरुआत 2011 में हरियाणा सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की थी। इन स्कूलों में प्राचार्य, प्राध्यापक और लाइब्रेरियन के पदों पर 2012 में उच्च मापदंडों के साथ योग्य शिक्षकों को नियुक्त किया गया। उनसे वादा किया गया था कि पांच साल की संतोषजनक सेवा के बाद उन्हें नियमित किया जाएगा। परंतु 2018 में सेवा अवधि पूरी होने के बावजूद नियमितीकरण की प्रक्रिया स्पष्ट नहीं है।

### नियमितीकरण प्रक्रिया में आ रही बाधाएं

**पांच साल** की सेवा पूरी करने के बाद 05 फरवरी 2018 को शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दस्तावेज जमा करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अक्तूबर 2018 में फिर से दस्तावेजों की मांग की गई। बार-बार दस्तावेज मंगाने के बावजूद भी नियमितीकरण की प्रक्रिया में ठोस कदम नहीं उठाया गया। इस बीच हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा पीजीटी पदों पर नई भर्ती की घोषणा के बाद आरोही मॉडल स्कूलों के कई शिक्षकों ने अन्य स्थानों पर चयनित होकर इस्तीफा दे दिया। इसे देखते हुए 04 दिसंबर 2018 को शिक्षा विभाग ने एक बार फिर आदेश जारी कर पांच वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को नियमित करने का निर्णय लिया। जिससे कई शिक्षकों ने अपने इस्तीफे वापस ले लिए।

### कर्मचारियों की समस्याएं और राज्य शिक्षा प्रणाली पर प्रभाव

**आरोही** मॉडल स्कूलों के कर्मचारियों का नियमितीकरण न होने से वे स्थाई वेतनमान और भत्तों से वंचित हैं। आर्थिक असुरक्षा के कारण उनकी कार्यक्षमता पर भी असर पड़ता है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है। नियमितीकरण न होने से कर्मचारी आर्थिक और मानसिक तनाव का भी सामना कर रहे हैं। आरोही मॉडल स्कूल स्टाफ एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार का कहना है कि बार-बार आश्वासनों के बावजूद अब तक ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। सरकार से निवेदन है कि कर्मचारियों की समस्याओं को समझते हुए नियमितीकरण की प्रक्रिया को पूरा करे। इससे न केवल कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित होगा बल्कि राज्य की शिक्षा प्रणाली को भी लाभ होगा। आरोही मॉडल स्कूलों के कर्मचारी अपील करते हैं कि उनकी मांगों को मानते हुए नियमितीकरण प्रक्रिया को शीघ्रता से लागू किया जाए। यह राज्य के हजारों विद्यार्थियों के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

## संदीप कुमार पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों का मामला

# हरियाणा महिला आयोग ने आईपीएस पर लगे यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए गठित एसआईटी से मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा के आईपीएस संदीप कुमार पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। सबसे अहम बात यह है कि आज तक इस प्रकरण से जुड़े आरोपों की जांच कर रही टीम सच्चाई तक नहीं पहुंच पाई है।

शायद यही वजह है कि अब महिला आयोग ने मामले में सख्ती दिखाते हुए गठित एसआईटी से दो दिन के भीतर जांच रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं।

### आयोग और एसआईटी की जांच रिपोर्ट से मिलान के बाद होगा सच का खुलासा

**दरअसल,** आईपीएस संदीप कुमार पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के मामले की जांच जहां महिला आयोग कर रहा है, वहीं इसके लिए सरकार और विभाग की तरफ से एसआईटी भी गठित की गई है। ये दोनों जांच एजेंसियां आईपीएस पर लगे आरोपों की अपने-अपने तरीके से जांच कर रहे हैं। आयोग ने मामले से जुड़े सही तथ्यों का पता लगाने के लिए एसआईटी से दो दिन के भीतर जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा है ताकि आयोग और एसआईटी की जांच रिपोर्ट का मिलान करके सच्चाई तक पहुंचा जा सके। आयोग इन दोनों रिपोर्टों के आधार पर ही फाइनल और अंतिम जांच रिपोर्ट तैयार करने के मुढ़ में है। वहीं अभी तक इस मामले में पुलिस यूटयूबर को भी गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

### वायरल चिट्ठी के बाद सामने आया मामला, अभी सात महिला पुलिस कर्मियों से हुई बात

**दरअसल,** जींद के पूर्व एसपी सुमित कुमार पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा यौन उत्पीड़न करने के आरोपों का पिटारा एक वायरल चिट्ठी के बाद सामने आया था। जिसमें करीब सात महिला पुलिस कर्मियों ने एसपी पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने बारे जिक्र किया था। हालांकि आरोपों की सच्चाई को आगे बढ़ाते हुए महिला आयोग ने पाया कि चिट्ठी में शामिल महिला पुलिस कर्मियों के नाम से जुड़े करीब 19 नाम ऐसी महिला पुलिस कर्मियों के हैं, जो जींद जिले में ही तैनात थी। आयोग इन सभी महिला पुलिस कर्मियों से बात करने के पक्ष में है। मगर अभी तक सात महिला पुलिस कर्मियों से ही बातचीत हो पाई है।

# राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी एवं भारत सरकार की प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती।

## सत्याग्रह रिसर्च फाऊंडेशन, मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से पौधारोपण।

**(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)**

**चंपारण।** राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद जन्मदिवस पर सत्याग्रह भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीस एंबेस्डर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ,डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल, डॉ शाहनवाज अली, डॉ अमित कुमार लोहियां , वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक ने संयुक्त रूप से महान स्वतंत्रता सेनानी सह भारत सरकार के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना डॉक्टर अब्दुल कलाम आजाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 20 साल की उम्र में, उन्होंने पश्चिम एशियाई देशों का दौरा किया एवं अरब और तुर्की क्रांतिकारियों के संपर्क में आये जो अपनी भूमि की स्वतंत्रता के लिए काम कर रहे थे। मोलाना अबुल कलाम आजाद लोगों से प्रेरित हुए और भारत लौटने पर उन्होंने भारत की स्वाधीनता आंदोलन में प्रवेश किया और अपने विचारों का प्रचार करने के लिए 1912 में कलकत्ता से एक उर्दू साप्ताहिक अल हिलाल शुरू किया। अल हिलाल का पहला अंक 1 जून, 1912 को प्रकाशित हुआ था। तब अबुल कलाम केवल 24 वर्ष के थे, लेकिन मुस्लिम धर्मशास्त्रियों ने उन्हें पहले ही 'मौलाना' के रूप में स्वीकार कर लिया था। अपनी स्थापना के दिन से ही, अल हिलाल ने भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपना रुख अपनाया। इस पत्रिका के पन्नों पर उन्होंने संपादकीय लिखे जो अपनी शैली की सुंदरता और भाषा की सशक्तता के लिए उल्लेखनीय थे। इनके माध्यम से, मौलाना ने भारत के लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी स्वयं की सामाजिक एवं राजनीतिक उदासीनता से बाहर आएं और देश को विदेशी शासन से मुक्त कराने के कार्य में हिंदू एवं मुस्लिम साथ सहयोग करें। यह भारतीय मुसलमानों एवं हिंदुओं के लिए एक साहसिक और नई सोच थी और इसने उनके बीच एक बड़ी ऊर्जा उत्पन्न की। इसके फल स्वरुप देखते ही देखते भारत लगभग 30 वर्षों के भीतर ही अंग्रेजों की अत्याचार से 15 अगस्त 1947 को आजाद हो गया। भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में शिक्षा एवं विज्ञान के माध्यम से लक्ष्य तक पहुंचाने का प्रयास किया। इस मंच के माध्यम से हम उन्हें पुनः श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

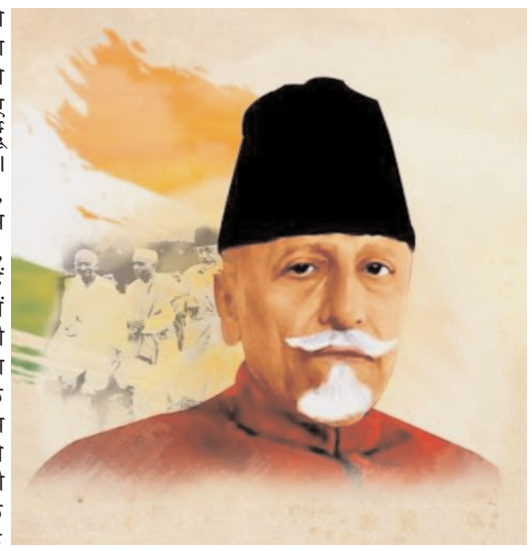

# कार्य संस्कृति में बदलाव लाकर कार्यालय का बेहतर तरीके से करें प्रबंधन : जिला पदाधिकारी

## बिना अवकाश स्वीकृति के कोई भी अधिकारी मुख्यालय को नहीं छोड़ेंगे।

**›› जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न।**
**›› विभाग द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं का क्रियान्वयन तीव्र गति से कराने का निर्देश।**

**(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)**

**बेतिया।** पश्चिम चंपारण जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि जिले के सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय का बेहतर तरीके से प्रबंधन करें। विकास कार्यों में तेजी लाएं। विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन तीव्र गति से कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि लंबित दायित्वो को सूचीबद्ध करते हुए प्राथमिकता के साथ अविलंब निष्पादित कराएं। जिलाधिकारी समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिया कि विकासात्मक योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से संबंधित मामलों में पत्राचार के साथ-साथ संबंधित अधिकारी से वार्ता कर समय पर कार्यों को निष्पादित कराना सुनिश्चित किया जाय। सरकारी वाहनों का प्रयोग सिर्फ सरकारी कार्य हेतु ही किया जाय। लॉग बुक सहित भ्रमण स्थलों पर वाहनों के परिचालन की जांच भी करायी जायेगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी माह का दैनिक भ्रमण कार्यक्रम समर्पित करेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि विभिन्न स्तर से प्राप्त जन शिकायतों का निपटारा त्वरित गति से होना चाहिए। सभी अधिकारी अपने-अपने मोबाईल नंबर को हमेशा ऑन रखेंगे। जिन अधिकारियों को नया नंबर एलॉट हुआ है, उस नंबर को कार्यालय के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित कराना सुनिश्चित करें ताकि आमजनों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। जिन्हें सरकारी नम्बर आवंटित नहीं है वे उपयोग किये जाने वाले नम्बर को प्रदर्शित करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि बिना अवकाश स्वीकृति के कोई भी अधिकारी मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। इसके साथ ही विभागीय बैठक या वीसी में भाग लेने हेतु भी सक्षम प्राधिकार से अनुमति लेनी आवश्यक है। कार्यालय प्रधान अपने-अपने कार्यालयों का निरीक्षण करें। साथ ही कर्मियों द्वारा किये जा रहे कार्यों की सतत मॉनिटरिंग भी करें। संचिका उपस्थापन के क्रम में संचिका पर अधिकारी के पूर्ण नाम एवं पदनाम से संबंधित मोहर अनिवार्य रूप से अंकित कराएं। उन्होंने सख्त निर्देश दिया कि कार्यालय का संचालन निर्धारित समय सारिणी के अनुरूप कराना सुनिश्चित किया जाय। अधिकारी स्वयं समय पर कार्यालय पहुंचे और अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मियों को भी समय का अनुपालन सुनिश्चित कराएं। बायोमेट्रिक एटेंडेंस हर हाल में अधिकारियों एवं कर्मियों का लगना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्यालयों में सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखें। संचिकाओं, अभिलेखों, पंजियों सहित अन्य कागजात सुव्यवस्थित तरीके से रखें। पुराने संचिकाओं एवं अभिलेखों को सुरक्षित रखें। जिलाधिकारी ने सभी अनुमंडल पदाधिकारी को उक्त निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने तथा लगातार मॉनिटरिंग करने हेतु निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी अनुमंडल पदाधिकारी पैक्स निर्वाचन कार्य की लगातार मॉनिटरिंग करेंगे तथा सफलतापूर्वक पैक्स निर्वाचन सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। बैठक से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने को लेकर प्रभारी पदाधिकारी, थरूहट विकास अभिकरण को शोकॉज करने तथा एक दिन का वेतन कटौती करने का निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया। साथ ही वैसे अन्य पदाधिकारी जो बैठक से अनुपस्थित रहे, उनका भी एक दिन का वेतन बन्द करते हुए स्पष्टीकरण की मांग करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, विभागीय जांच, कुमार रविन्द्र कुमार, अपर समाहर्ता, आपदा प्रबंधन रामानुज प्रसाद सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर विनोद कुमार सिंह सहित अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। साथ ही अन्य अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी आदि पदाधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्मय से जुड़े रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### सर्प के काटने से किसान की मौत

**महोबा।** थाना श्रीनगर के ग्राम पिपरामाफ में खेत पर काम करते समय एक किसान को सांप ने डंस लिया, जिससे किसान खेत पर ही बेहोश होकर गिर गया। खेत पर काम रहे अन्य किसान व परिजन उसे आनन फानन मे जनपद छतरपुर के सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव ले गए, जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने जिला अस्पताल महोबा लाकर पुलिस से शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। थाना श्रीनगर के ग्राम पिपरामाफ निवासी चंद्रभान (42) ब्रजगोपाल खेत मे मूंगफली उखाड़ने का काम कर रहा था, तभी उसे सांप से काट लिया। इसके बाद सांप खेत से भाग गया। देखते ही देखते किसान खेत पर ही गिरकर अचेत हो गया। आसपास के लोगों द्वारा चीखने चिल्लाने पर अन्य किसान दौड़ पड़े और उसे सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव ले गए, जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। श्रीनगर पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने मे जुट गई है।

### 10 वारंटियों को पुलिस ने पकड़ा

**बांदा।** विभिन्न अभियोगों में वांछित 10 वारंटियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पकड़े गए वारंटियों में रवि सिंह पुत्र त्रिलोक पाल सिंह निवासी गुढ़ाकलां कालिंजर, चन्द्रपाल सिंह निवासी ग्राम बक्शीपुरवा थाना कालिंजर, जमील पुत्र मुंशी निवासी ग्राम कबौली थाना नरैनी, शफीक पुत्र जमाल खां निवासी ग्राम कबौली थाना नरैनी, लेखराज पुत्र चन्द्रिका प्रसाद यादव निवासी ग्राम दिवली थाना नरैनी, लवलेन्द्र यादव पुत्र रामस्वरुप निवासी ग्राम दिवली नरैनी, रामस्वरुप पुत्र पराग यादव निवासी ग्राम दिवली थाना नरैनी, राजाबाबू पुत्र रजवा निवासी ग्राम पिपरहरी थाना नरैनी, रिंकू पुत्र अवस्थीलाल वाल्मीकि निवासी पटेल नगर कस्बा व थाना नरैनी और रामनरेश पुत्र भोला लोध निवासी ग्राम हजारी का पुरवा बड़ेहा स्योढा थाना नरैनी शामिल हैं।

### आज आ जाएगी खाद की रैक, बिक्री केंद्रों में भेजी जाएगी

**बांदा।** डीएपी की बहुप्रतीक्षित रैक सोमवार शाम तक बांदा आने की संभावना है। रविवार शाम चार बजे तक खाद की रैक सतना स्टेशन तक पहुंच चुकी है। बांदा खाद आते ही पीसीएफ के ट्रकों के जरिए सीधे सहकारिता के बिक्री केंद्रों पर आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए पीसीएफ एवं सहकारिता विभाग ने अपनी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं।
मालूम हो कि जनपद के लिए डीएपी की रैक 1 नवंबर को पारादीप में लोड हो चुकी थी, किंतु दीपावली के चलते बढ़े हुए यातायात दबाव के कारण यह विलंबित होती गई। डीएम ने भारत सरकार, शासन एवं रेलवे के उच्च अधिकारियों से वार्ता के बाद चार नवंबर को यह रैक बांदा के लिए रवाना हो पाई। रैक शीघ्राशीघ्र जनपद मुख्यालय पहुंच सके, इसके लिए डीएम ने प्रतिदिन उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय और मंडल रेल प्रबंधक, झांसी से निरंतर संपर्क कायम किया गया। पीसीएफ के बफर गोदाम में डीएपी समाप्त हो जाने के कारण गत दो दिनों से समितियों को उर्वरकों का प्रेषण संभव नहीं हो सका था। सोमवार की शाम तक रैक पहुंचने के बाद मंगलवार को समितियों से इसका वितरण प्रारंभ किया जाएगा।

# महंत और व्यापारियों के बीच चली आ रही रार को नेता ने कराया समाप्त

■ चित्रकूट

महर्षि वाल्मीकि आश्रम लालापुर महन्त भरत दास तथा पटरी व्यापारियों के बीच चल रही अनबन को लेकर व्यापारी नेता शानू गुप्ता ने पहुंच कर आपसी सामंजस्य बनवाया आश्रम के विकास तथा व्यापार दोनों बिंदुओं पर चर्चा की ।

महर्षि वाल्मीकि आश्रम के महंत भरत दास ने बताया कि जब मैं आश्रम आया था तब यहां पर लालापुर के कुछ गुंडों द्वारा छेटे छोटे व्यापारियों से गुंडा टैक्स वसूली लगभग 40 वर्षों से की जा रही थी मैंने गुंडों का विरोध करके

*महंत से वार्ता करते व्यापारी नेता शानू गुप्ता*

व्यापारियों से किये जाने वाली वसूली को बन्द करवा दिया गुंडों ने मेरे ऊपर भी हमले का प्रयास किया लेकिन वह विफल रहे आज लगभग सैकड़ो प्रसाद की दुकाने लग रही हैं वसूली करने वाले गांव के लोगों ने छोटे व्यापारियों को भड़काकर आपसी संघर्ष की रणनीति बनाई थी उनकी यह रणनीति ध्वस्त हो चुकी है। लगभग ढाई सौ दुकानें बनवाने का प्रस्ताव रखा है जो जल्द ही पास होकर यहां स्थाई छोटे व्यापारियों के लिए व्यवस्था करवाई जाएगी और मुझे आश्रम का विकास करने में सहयोग किया जाए इस पर कुछ एक विपक्षी जो मुझसे रंजिश मानते हैं। योगी सरकार आश्रम के विकास के लिए बड़ा बजट दे रही है आने वाले समय में आश्रम के विकास के साथ छोटे व्यापारियों का भी विकास होगा और लालापुर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होगा।

### ट्रैक्टर ने ई रिक्षा को मारी टक्कर, एक की मौत, पांच घायल

**चित्रकूट।** भैसौंधा गांव निवासी चुन्नीलाल अपने परिवार के साथ कामतानाथ की परिक्रमा कर शनिवार को ई-रिक्शा से घर लौट रहा था। ई-रिक्शा में चुन्नीलाल की पत्नी शांति, मां बुटुवा, 14 वर्षीय बेटा पुष्पेंद्र, 12 वर्षीय भरतलाल और 10 वर्षीय बेटी काजल सवार थे। सीतापुर तिराहे के पास बेड़ीपुलिया से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ई-रिक्शा में बैठे सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने भरत लाल को मृत घोषित कर दिया। कर्वी कोतवाल उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया हादसे में शांति, बुटुवा, पुष्पेंद्र, काजल और ई-रिक्शा चालक संतोष कुमार सहित कुल 6 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

### सोलर पांवर प्लांट लगवाये लोग

**चित्रकूट।** डीएम ने बताया कि 1 किलोवाट सोलर पावर प्लांट से प्रतिदिन 5 यूनिट विद्युत पैदा करके ग्रेड में आपूर्ति किया जा सकता है इस प्रकार एक मांह में करीब 150 यूनिट आप ग्रेड में दे सकते, जो की विद्युत बिल से आप की बिल घटकर बची हुई ही बिल की धनराशि देय होगी। योजना में भारत सरकार द्वारा 1 किलो वाट पर रु 30000, 2 किलो वाट पर 60000, 3 किलो वाट पर 78000 एवं 3 किलो से 10 किलो वाट तक 780000 अनुदान देय है।

**पांच साल के बच्चे ने किया कमाल**

# धनुष चौराहे का वैज्ञानिक मॉडल बना लूटी वाहवाही

**चित्रकूट।** कहते है हुनर किसी उम्र की मोहताज नहीं होती है जी हां ऐसा ही कर दिखाया है नगर के किंग्सन इंग्लिश स्कूल के बचपन प्ले ग्रुप में पढ़ने वाले नर्सरी के 5 वर्षीय छोटे से छात्र अयांश सोनकर पुत्र अखिलेश सोनकर ने जिसने मॉडल के रूप में चित्रकूटधाम का एक ऐसा दृश्य पेश किया जिसमें मुख्यालय के धनुष चौराहे का हूबहू चित्रण किया है।

किंग्सन इंग्लिश मीडियम स्कूल में 11 और 12 नवंबर को एक विज्ञान और क्राफ्ट की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाना है जिसमें स्कूल के सभी छात्र छात्राओं ने अपने अपने प्रोजेक्ट बनाकर स्कूल प्रशासन को सौंपे हैं जिसमें एक प्रोजेक्ट अयांश सोनकर का है जो स्कूल प्रशासन ही नहीं बल्कि सोशल मीडिया में भी जमकर तारीफ की जा रही है। इस प्रोजेक्ट में अयांश ने धनुष चौराहे की खूबसूरती दिखाते हुए चित्रकूट धाम के मंदिर और अस्पताल सहित यहां की खूबसूरती को प्रस्तुत किया है इसके साथ ही सड़क पर चलते समय यातायात के नियमों के बारे में भी जागरूक किया है। स्कूल प्रबंधक मिनहाज आलम और स्कूल अध्यापकों ने बच्चे के हुनर को देखते हुए उसकी उज्जल भविष्य की कामना की। वरिष्ठ पत्रकार राकेष चौधरी ने कहा कि पूत के पांव पालने मे नजर आते है निष्चित तौर यह होनहार बालक आगे चलकर बहुत बडा बैज्ञानिक बन देष की सेवा करेगा इससे कोई इंकार नही कर सकता।

### ट्रैक्टर पलटने से दो व्यक्तियों की हुई मौत।

**(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)**

**बेतिया।** बगहा पुलिस जिला अंतर्गत चौतरवा थाना क्षेत्र के हमीरा गांव में पुवाल लदे ट्रैक्टर ट्राली पलट जाने से दो व्यक्ति की दब कर मौत हो गई है। समाचार के मुताबिक घटना सोमवार के अहले सुबह करीब तीन बजे की है। जहाँ खदरा सरेह से पुवाल लोड कर हमीरा के लिए निकले थे कि अचानक ट्रैक्टर ट्राली पलट गया और उसपर सवार दोनो व्यक्ति दब गए, स्थानीय लोगों को जब सूचना मिली तब तक दोनो की मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय चौतरवा थाना को दी। मौके पर पहुँची पुलिस ने जेसीबी के मदद से ट्रैक्टर में फंसे दोनो के शव को बाहर निकाला तथा पोस्टमार्टम हेतु बगहा अनुमंडलीय अस्पताल में भेज दिया। दुर्घटना में मृत दोनो की पहचान चौतरवा थाना क्षेत्र के हमीरा गांव निवासी सत्यनारायण पडित व नगई यादव का इकलौता पुत्र सुभन यादव के रूप में हुई है।मामले की जानकारी देते हुए चौतरवा थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया की ट्रैक्टर ट्राली को जब्त करते हुए शव को बगहा अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है।

### डंपर और बाइक की भिडंत मे एक की मौत, दूसरा घायल

**चित्रकूट।** झांसी मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित छिवलहा गांव मे बीती रात एक अज्ञात डंपर ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी, जिससे एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार राजवीर सिंह उर्फ अल्ला (35) निवासी बमबुरी बरुआ थाना मऊ, मिथलेश (30) बरुआ गांव निवासी गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल को मऊ सीएचसी अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और तहरीर दी है, जिसके आधार पर अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस टीम द्वारा दुर्घटनास्थल के आसपास के इलाके में डंपर की तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की पूरी जानकारी एकत्र कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

# छात्र-छात्राओं ने निकाली जन जागरूकता रैली

■ महोबा

संत जोसफ्स इंटर कालेज (हिन्दी मीडियम) महोबा के प्रधानाचार्य फादर अंटोनी लजार के नेतृत्व में छात्र छात्राओं ने जन जागरूकता रैली निकाली। रैली कालेज के आसपास इलाकों से होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में समाप्त हुई। रैली में छात्र छात्राएं कानूनी अधिकार से संबन्धित नारे लगाते हुए चल रहे थे। जहां पर गोष्ठी के माध्मय से शिक्षकों को छात्र छात्राओं को कानूनी अधिकारों से संबन्धित जानकारी उपलब्ध कराई गई।

संत जोसफ्स इंटर कालेज के प्रधानाचार्य द्वारा जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली द्वारा छात्र छात्राओं की भारी भीड़ नजर आई साथ में शिक्षक भी विद्यार्थियों के साथ रैली में कदम से कदम मिलाकर लोगों को जागरूक करते रहे। रैली बजरिया, जकरिया पीर सहित आसपास के मोहल्लों से होते हुए विद्यालय में समाप्त हुई। रैली दौरान छात्र छात्राएं जब होगी मानव अधिकार की रक्षा, तब समाज में सबका विकास होगा अच्छा। सबको मिले समान अधिकार, मानव अधिकार आयोग करे सबके सपने साकार जैसे तमाम नारे लगाकर आम जन को जागरूक कर रहे थे।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए कालेज के प्रधानाचार्य ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा छात्र छात्राओं को भी सहायता प्रदान करने के भी नियम है, जिसमें अधिनियम की धारा 121(सी) के तहत, किसी भी बच्चे को मुकदमा दायर या प्रतिरक्षा करने के लिए निःशुल्क विधिक सेवाएं मिलती हैं। इस मौके पर विद्यालय के समस्त शिक्षक और स्टाफ मौजूद रहा।

# समाजसेवी ने 151 गरीब महिलाओं को साड़ी और मिठाई की वितरित

## रोटी बैंक के तत्वाधान में आयोजित हुआ आशीर्वाद कार्यक्रम

■ महोबा

रोटी बैंक के तत्वावधान में रोटी बैंक कार्यालय में रविवार को आयोजित आर्शीवाद कार्यक्रम के तहत 151 गरीब महिलाओं को साड़ी और मिठाई वितरित की गई। साड़ी मिठाई पाकर महिलाओं के चेहरे खुशी से खिले नजर आए। आर्शीवाद कार्यक्रम की जानकारी मिलते ही महिलाओ का कार्यालय में सुबह से पहुंचना शुरू हो गया। तीन घंटे तक चले कार्यक्रम में एक एक महिला को मंच पर बुलाकर साड़ी और मिठाई दी गई।

रोटी बैक के संयोजक पावेज अहमद उर्फ मुट्टन चच्चा ने कहा कि रोटी बैंक समय समय पर इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन करके गरीबों की मदद करता है। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में रोटी बैंक द्वारा कंबल वितरित किए जातें है, इसके अलावा गरीबो और भूखो को भोजन की भी व्यवस्था कराई जाती है, जिससे कोई भी गरीब भूखा न सो सके। उन्होंने बताया

कि रोटी बैंक के माध्यम से तमाम लोगों को भोजन मिल रहा है। भूखो को भोजन कराना और गरीबों की मदद करना पुन्य का काम है, इस कार्य में अन्य लोगों को भी बढचढ कर हिस्सा लेना चाहिए।

इस मौके पर मनोज तिवारी ने कहा कि जिले में रोटी बैंक की शुरूआत मुट्टन चच्चा द्वारा कराई गई थी। शुरूआत में रोटी बैंक के सदस्य घर घर जाकर एक से दो रोटी लेकर रोटी बैक में एकत्र करते थे, जहां से सब्जी और रोटी गरीबों को पहुंचाई जाती थी। अब रोटी बैंक कार्यालय में ही रोटी मेकर मशीन के जरिए रोटी तैयार की जा रही है, जिससे अब घंटों का काम मिनटो में होन लगा है। आर्शीवाद कार्यक्रम के मौके पर डा0 केडी गुप्ता, मोहम्मद अफजाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

# विश्व हिंदू महासंघ ने निकाली श्रीराम धुन यात्रा

■ महोबा

विश्व हिन्दू महासंघ के तत्वावधान में रविवार को दोपहर एक बजे से बजरंग चौक स्थित हनुमान मंदिर से गाजेबाजे के साथ श्रीराम धुन यात्रा भव्य तरीके से निकाली गई। यात्रा दौरान सैकड़ों राम भक्तों की भीड़ हाथों में भगवा ध्वज लहराते और जय श्रीराम के उद्घोष करते हुए चल रहे थे। यात्रा दौरान वाहनों पर कई दर्जन धार्मिक झांकियां सजाई गई, जो आकर्षण का केंद्र रही। यात्रा दौरान डीजे पर भगवान राम के गीत व भजनों को सुन भक्त राम भक्ति में डूबे नजर आए।

शहर के मोहल्ला सुभाषनगर के बजरंग चौक स्थित हनुमान मंदिर में विश्व हिन्दू महासंघ के तत्वाधान में प्रति वर्ष राम धुन यात्रा निकाली जाती है। इसी क्रम में रविवार को गाजे बाजे और धूमधाम के साथ राम धुन यात्रा निकाली गई। यात्रा दोपहर एक बजे मंदिर से प्रारम्भ हुई जो पीडब्ल्यूडी तिराहा, पुराना पाइवेट स्टाफ, तहसील चौराहा, मैन बाजार, ऊदल चौक, आल्हा चौक, रोडवेज बस स्टैंड से होती हुई डीएम बंगला से हनुमान मंदिर

*यात्रा दौरान भक्तों की भीड़*

में जाकर समाप्त हुई। यात्रा दौरान सैकड़ों की भीड़ नजर आई। राम भक्त हाथो में भगवा ध्वज लिए लहराते हुए जय श्रीराम के उद्घोष लगाते हुए चल रहा है। भक्तों में सबसे ज्यादा महिला भक्त राम भक्ति में डूबी नजर आई। महिला भक्त रब्बी ढोल और डीजे की धुन पर थिरकती नजर आई। राम धुन यात्रा का जगह जगह फूलों की बारिश कर स्वागत किया गया।

यात्रा दौरान ट्रैक्टरों पर राधा कृष्ण, भारत माता सहित अन्य धार्मिक झांकियां सजाई गई, जिसे देखने के लिए लोग छतो और सड़क किराने लोगों की भीड़ नजर आई। दर्जनो झांकियां यात्रा में डमरू नाथ टीम उज्जैन और महाराष्ट्र के ढोल आकर्षण का केंद्र रहे। यात्रा में जहां ट्रैक्टरों पर झांकियां सजाई गई तो वहीं बग्घी और वाहनों पर भी भक्त जय श्रीराम के नारे लगाते हुए जा रहे थे। यात्रा दौरान वहां का वातावरण भक्ति मय नजर आया। यात्रा समाप्त होने के बाद हनुमान मंदिर मे महाआरती और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जहां भक्तों ने धार्मिक आयोजनों में शामिल होकर पुन्य अर्जित किया। यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस व्यवस्था की गई साथ ही जिन मार्गों से यात्रा निकाली वहां के चौराहो, तिराहो पर पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग कर वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई गई और यात्रा निकलने के बाद ही मार्ग की यातायात व्यवस्था को बहाल किया गया।

**वैधानिक सूचना**

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

## सार संक्षेप

### रश्मिका मंदाना ने अल्लू अर्जुन को दिया खास तोहफा

**मुंबई** : दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानीमानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने फिल्म पुष्पा के अपने को-स्टार अल्लू अर्जुन को खास तोहफा दिया है। अल्लू अर्जुन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यारा सा पल साझा किया है, जिसमें उनकी फिल्म पुष्पा को-स्टार रश्मिका मंदाना का दिल छू लेने वाला जेस्टर देखने मिल रहा है। पुष्पाः द राइज़ में श्रीवल्ली के किरदार से मशहूर हुई रश्मिका ने अपने इस इमोशन से भरे अंदाज से फैंस का दिल जीत लिया है।अल्लू अर्जुन ने एक खूबसूरत नोट और प्यारे गिफ्ट की झलक शेयर की है, जो उन्हें रश्मिका से मिला है। अपने पोस्ट में उन्होंने रश्मिका को धन्यवाद देते हुए उनके इस जेस्टर की सराहना की है। उन्होंने इस तरह से यह भी बताया है कि उनके बीच ऑफ-स्क्रीन भी एक गहरी दोस्ती है। नोट में लिखा गया है, मेरी मां ने कहा था कि किसी को चांदी का तोहफा देने से उसे सौभाग्य प्राप्त होता है। मुझे उम्मीद है कि यह छोटी सी चांदी और मिठाई आपके लिए और ज्यादा सौभाग्य, सकारात्मकता और प्यार लेकर आएगी। आपको और आपके खूबसूरत परिवार को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ!लव, रश्मिका मंदाना।इसके जवाब में, अल्लू ने लिखा, थैंक यू डियर। अब बहुत सारे लक की जरूरत है।

### आंवला नवमी पर श्रद्धालुओं ने किया पुष्कर सरोवर में स्नान

**अजमेरः** राजस्थान में अजमेर के तीर्थराज पुष्कर में आज कार्तिक मास के दौरान 'आंवला नवमी ' के मौके पर बड़ी संख्या में तीर्थपुरोहित सहित आम श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में स्नान किया। श्रद्धालुओं ने बाद में ब्रह्माजी के मंदिर पहुंचकर दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया और परिवार में खुशहाली एवं सुखसमृद्धि की कामना की । आंवला नवमी जिसे अक्षय नवमी के नाम से भी जाना जाता है, के मौके पर ही पुष्कर में सनातन धर्म रक्षा संघ अजयमेरू की ओर से प्रभातफेरी के जरिये पुष्कर परिक्रमा का आयोजन किया गया। अजमेर के संन्यास आश्रम के सहयोग से प्रभातफेरी पुष्कर गुरूद्वारे से नये रंगजी मंदिर, जयपुर घाट,ऋषि घाट, गुर्जर घाट, ब्रह्म घाट, वारह घाट होती हुई पुनः गायत्री शक्ति पीठ के नजदीक गुरूद्वारे पहुंच कर सम्पन्न हुई। प्रभातफेरी का मार्गदर्शन संघ अध्यक्ष, पूर्व न्यायाधीश अजय शर्मा ने किया।

### केरल में कोचीन हवाई अड्डे पर पहला सीप्लेन उतरा

**कोच्चिः** केरल ने सीप्लेन पर्यटन के अपने सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रविवार को कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीआईएएल) पर एक ट्रायल फ्लाइट को उतरा। यह ऐतिहासिक घटना केरल के पर्यटन उद्योग में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है और राज्य के शानदार जलमार्गों को आसमान के माध्यम से जोड़ने का वादा करती है। परीक्षण उड़ान अपराह्न 11 बजे विजयवाड़ा से रवाना हुई और अपराह्न 02:30 बजे कोच्चि में उतरी। साथ ही यह अपराह्न 3:30 बजे बोलगट्टी पहुंची। इस सराहनीय अवसर को चिह्नित करने के लिए सीआईएएल ने वाटर सैल्यूट के साथ सीप्लेन का स्वागत किया। इस महत्वाकांक्षी पहल में प्रमुख खिलाड़ी सीआईएएल ने केरल सरकार को तकनीकी विशेषज्ञता और सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

### तेलंगाना में हैदराबाद के स्पाइसी किचन रेस्तरां में हुआ विस्फोट

**हैदराबादः** तेलंगाना में हैदरबाद शहर के जुबली हिल्स चेक पोस्ट के पास स्पाइसी किचन रेस्तरां में रविवार सुबह एक विस्फोट हुआ, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। जोरदार धमाके से चौंके स्थानीय निवासी दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। विस्फोट से बस्ती इलाके में आसपास के कई घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जिससे प्रभावित लोगों को राहत मिली। पुलिस को संदेह है कि विस्फोट या तो रेफ्रिजरेटर कंप्रेसर में खराबी या रेस्तरां की रसोई में गैस सिलेंडर विस्फोट के कारण हुआ था।

# वर्ष 2005 के पहले शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकलता थाः नीतीश

● गया,

**बिहार** के मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 के पहले शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था, जो लोग शासन में थे उन लोगों ने कोई काम नहीं किया।

मुख्यमंत्री कुमार रविवार को गया जिले के बेलागंज पड़ाव पर मैदान पहुंचे, जहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री का स्वागत लोगों ने फूल-माला पहनाकर किया।इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2005 में हमलोग सरकार में आए थे, उसके पहले क्या स्थिति थी आपको पता है।वर्ष 2005 में शाम के बाद घर से कोई बाहर नहीं निकलता था, जो लोग शासन में थे, उन लोगों ने कोई काम नहीं किया, सिर्फ वोट लेने का काम किया. जब हमलोगों को मौका मिला तो, हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए सर्वांगीण काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा स्कूलों में बच्चे नहीं जाते थे, आज स्कूलों में बच्चे जाते हैं, उन्हें छात्रवृत्ति मिलती है, शिक्षक पढ़ाते हैं।हमने इलाज की समुचित व्यवस्था की। सड़कों का जाल बिछाया. सरकारी नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण दिया।पहले जो लोग सरकार में थे, वे हिंदू मुस्लिम को लड़वाने का काम करते थे लेकिन हमने कब्रिस्तान की घेराबंदी की।सभी समाज के लोगों को साथ लेकर चलने का कार्य किया। कुमार ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) प्रत्याशी मनोरमा देवी को जीताने के लिए जनता से आह्वान किया।

रविवार को भूमि कानून और अन्य मांगों के समर्थन में हरिद्वार में आयोजित स्वाभिमान महारैली के दौरान लोग।

## श्रद्धांजलि

# एक ईरानी सैन्य अधिकारी....

### हसन तेहरानी मकदम

### (29 अक्टूबर 1959 -12 नवंबर 2011)

**हसन तेहरानी मकदम।** एक ईरानी सैन्य अधिकारी थे जो आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स में सेवा दे रहे थे और ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट के डिजाइनर थे। वे इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की सेना के प्रमुख थे। उन्होंने ईरान के लंबी दूरी के मिसाइल कार्यक्रम की स्थापना की और इस उद्देश्य के लिए उत्तर कोरिया से मदद और डिजाइन प्राप्त किए ताकि ईरान की मिसाइल तकनीक को विकसित किया जा सके। उन्होंने शाहब, कद्र और सेज्जील मिसाइलों को डिजाइन किया जिनकी रेंज 1,000 से 2,000 किलोमीटर तक है और जो इजराइल को निशाना बना सकते हैं। इन्हीं कारणों से उन्हें ईरान के मिसाइल कार्यक्रम का जनक माना जाता है। 12 नवंबर 2011 को तेहरान के पास बिद कानेह में एक सैन्य अड्डे पर विस्फोट में उनकी मृत्यु हो गई।

*सरदार शहीद हसन तेहरानी मकदम*

*उपनामः* हसन तेहरानी, हसन मकदम

*जन्मः* 29 अक्टूबर 1959, तेहरान, ईरान

*मृत्युः* 12 नवंबर 2011 (52 वर्ष की आयु में), बिद कानेह, तेहरान प्रांत, ईरान

*वफादारीः* इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स

*रैंकः* ब्रिगेडियर जनरल

*युद्धः* ईरान-इराक युद्ध

**जीवनी**

हसन तेहरानी मकदम का जन्म 29 अक्टूबर 1959 को तेहरान में हुआ था। 1977 में उन्होंने हाई स्कूल से स्नातक किया। 1979 में उन्होंने शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। 1981 में उन्होंने खजानी नासिर तोसी यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री पूरी की। उन्होंने 1979 की ईरानी क्रांति में भाग लिया और 1980 में इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स में शामिल हो गए, जहाँ उन्हें उत्तरी कमान में जानकारी प्राप्त करने की विशेष जिम्मेदारी दी गई। ईरान-इराक युद्ध में उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ थीं, जैसेः

- 1982 में आईआरजीसी में पहली आर्टिलरी कोर की स्थापना
- 1982 में अहवाज में आर्टिलरी अनुसंधान केंद्र की स्थापना
- अक्टूबर 1983 में मिसाइल कमांड सेंटर की स्थापना
- 1984 में ईरान-इराक युद्ध के दौरान बासरा पर तोप से गोलीबारी
- 1985 में किरकुक पर रॉकेट से हमला
- अगस्त 1985 में आईआरजीसी की वायु सेना के मिसाइल कमांडर
- 1986-87 में लेबनानी हिजबुल्लाह के मिसाइल यूनिट की स्थापना
- 1987 में ईरान का पहला मिसाइल नजआत डिजाइन किया
- अगस्त 1988 में ऑपरेशन मर्साद में एमईके बलों के खिलाफ आईआरजीसी की कमान

**ईरान का मिसाइल कार्यक्रम**

ईरान-इराक युद्ध के बाद, जब ईरान के पास केवल गैर-मूल स्कड मिसाइलें थीं जिनकी ऑपरेशनल रेंज 300 किलोमीटर तक सीमित थी, मकदम ने एक लंबी दूरी का मिसाइल कार्यक्रम स्थापित किया और विभिन्न मिसाइलों का डिजाइन किया। उनका तत्काल लक्ष्य 2,000 किलोमीटर से अधिक ऑपरेशनल रेंज वाले बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को विकसित करना था जिससे इजराइल को बड़ा खतरा हो सके। आईआरजीसी के एक कमांडर और मकदम के करीबी मित्र मुस्तफा इजादी ने कहा, "1984 से, [मकदम] ने आईआरजीसी के भूमि से भूमि तक के मिसाइल सिस्टम की शुरूआत की... वही काम जिससे आज दुनिया की साम्राज्यवादी ताकतें और जायोनी शासन डरते हैं।"

शुरूआत में मकदम ने रूसी निर्मित स्कड मिसाइलों की रिवर्स इंजीनियरिंग की और उनसे मिसाइल बनाए। उन्होंने स्कड-बी से शाहब-1 बनाया, फिर शाहब-2 और जलजल मिसाइल (जलजल-1, जलजल-2 और जलजल-3) का विकास किया। 1998 में, स्कड-सी से उन्होंने शाहब-3 विकसित किया, जो कि एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है जिसकी ऑपरेशनल रेंज 2,000 किलोमीटर है। इसका परीक्षण 1998 और 2003 के बीच किया गया और 7 जुलाई 2003 को ईरान की सेना में इसे शामिल किया गया, जिसकी आधिकारिक उद्घाटन 20 जुलाई को आयतुल्लाह खामेनेई द्वारा की गई। बाद में मकदम ने शाहब-3 को और विकसित किया और इस मिसाइल का एक नया संस्करण कद्र-110 तैयार किया जिसकी रेंज 1,800 झ 2,000 किलोमीटर है और इसे कद्र-101 के नाम से भी जाना जाता है। 2008 में मकदम ने उत्तर कोरिया की मदद से ईरान की पहली ठोस ईंधन वाली बैलिस्टिक मिसाइल सेज्जील को विकसित किया।

### पिता और दो बच्चों ने की आत्महत्या

**सिद्दीपेट (तेलंगाना):** तेलंगाना के सिद्दीपेट में एक व्यक्ति और उसके दो मासूम बच्चों ने चितनाल टैंक में कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान थेलु सत्यम मुधिराज (48), उनके बेटे अश्विन नंदन (07) और उनकी बेटी त्रिवर्णा (05) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार विवेकानंद कॉलोनी के निवासी सत्यम एक प्रिंटिंग प्रेस चलाते थे। वह गत शाम अपने बच्चों के साथ घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। पत्नी शिरीष ने बाद में स्थानीय पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद, पुलिस ने जांच शुरू की और रविवार को टैंक से शवों को बरामद किया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शवों को सिद्दीपेट सरकारी अस्पताल भेज दिया।

### जापान में बारिश का हाई अलर्ट जारी

**टोक्योः** जापान की मौसम एजेंसी ने रविवार को दक्षिणी प्रांत में हो रही तेज बारिश को लेकर ओकिनावा निवासियों से भूस्खलन और अन्य आपदाओं के लिए हाई अलर्ट पर रहने का आग्रह किया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने कहा कि नम हवा बहने के कारण रविवार को ओकिनावा में वायुमंडलीय स्थितियां बहुत अस्थिर हैं, उत्तरी हिस्से में बारिश के बादल विकसित हो रहे हैं। आंकड़ों से पता चला है कि ओकिनावा के कुछ हिस्सों में स्थानीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे लगभग 110 मिमी बारिश होने का अनुमान है, जिसमें नागो शहर के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों के पास के इलाके भी शामिल हैं। जेएमए के अनुसार, रविवार शाम तक ओकिनावा प्रान्त में गरज के साथ स्थानीय बारिश का अनुमान है।

### चुनाव में भाजपा को उखाड़ फेंकना है : लालू

**कोडरमाः** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि झारखंड समेत पूरे देश में इंडिया गठबंधन काफी मजबूत है और इस विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उखाड़ कर फेंक देना है। विधानसभा चुनाव में अपने प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव रविवार को कोडरमा के मरकच्चो पहुंचे। उन्होंने चुनावी सभा को संबोधित कर राजद प्रत्याशी सुभाष यादव को वोट कर विजयी बनाने की अपील की। श्री यादव ने अपने पुराने अंदाज में ही सभा को संबोधित किया। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि आज सुबह उन्हें देखकर हेलीकॉप्टर डर गया इसलिए सड़क मार्ग से गाड़ी में सो कर आए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इंडिया गठबंधन मजबूत है।

रविवार को भुवनेश्वर में बाजरा दिवस के अवसर पर श्री अन्ना और बिस्मार्ट फूड -2024 पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ।

### हाथियों ने दो बच्चों को कुचलकर मार डाला

**सूरजपुरः** छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में हाथियों ने दो बच्चों को कुचलकर मार डाला। बताया जा रहा है कि शनिवार रात करीब एक बजे सोते समय हाथियों का दल झोपड़ी में घुस गया। पति-पत्नी और तीन बच्चों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई, लेकिन दो बच्चे नहीं निकल सके। जिन्हें हाथियों ने रौंद दिया। वनमंडल के आश्रित गांव चितखई में परिवार रह रहा था। इस बीच 11 हाथियों के दल ने झोपड़ी को भी तहस-नहस कर दिया है। बताया जाता है कि, बिखू पंडो अपनी पत्नी और पांच बच्चे के साथ झोपड़ी में सो रहा था। हाथियों का दल अचानक झोपड़ी के पास पहुंचकर तोड़ने लगा। पति-पत्नी और तीन बच्चे भाग गए, लेकिन बिसू पंडो (11) और काजल (5) गहरी नींद में थे इसलिए वे भाग नही पाए। हाथियों ने उन्हें पटककर मार डाला।

# अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी हो रही सुक्खू की किरकिरीः जयराम

● मंडी,

**हिमाचल** प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से जुड़े समोसा विवाद की चर्चा देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी चर्चा शुरू हो गई है, जिससे अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुक्खू सरकार की किरकिरी हो रही है।

समोसा विवाद पर यह बयान ठाकुर ने यहां दौरे के दौरान मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान दिया है। उन्होंने कहा कि देश के बाद विदेशी मीडिया ने भी हिमाचल प्रदेश का जिक्र करते हुए समोसा की सीआईडी जांच की खबर को दर्शाया है। जिससे सुक्खू से जुड़ा समोसा विवाद का यह मुद्दा अब देश में ही नहीं विदेश में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। ठाकुर ने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार की किरकिरी होने पर सुक्खू सरकार ने अब विपक्ष को कोसना शुरू कर दिया है। जबकि सुक्खू सरकार ने स्वयं सीआईडी से इसकी जांच करवाई है। सीआईडी की रिपोर्ट के बाद ही विपक्ष के पास इस विवाद की जानकारी पहुंची है। उन्होंने सीएम सुक्खू को घेरते हुए कहा कि प्रदेश सरकार अपनी प्राथमिकताओं को पीछे छोड़ बिना मतलब की इस तरह की बातों में उलझी हुई है। यही कारण है कि आज यह मुद्दा सभी जगह मजाक का विषय बना हुआ है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस सारे विवाद की जड़ स्वयं प्रदेश की सुक्खू सरकार है।

# राजस्थानः विस उपचुनाव का प्रचार चढ़ा परवान

## सत्तारुढ़ भाजपा एवं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस सहित अन्य दिग्गज नेताओं ने झोंकी पूरी ताकत

● जयपुर,

**इस बार सबसे चर्चित विधानसभा सीट बनी खींवसर में शुरु से ही अपना राजनीतिक दबदबा बनाये रखने वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक एवं सांसद हनुमान बेनीवाल ने भी अपनी राजनीतिक प्रतिष्ठा को बरकरार रखने के लिए रात दिन एक कर रखा हैं। हालांकि इस बार उनका किसी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं हुआ है ।**

**राजस्थान** में तेरह नवंबर को सात विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनाव में प्रचार का दौर पूरे परवान चढ़ा हुआ है और सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक पार्टियों एवं उनके दिग्गज नेताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है।

प्रदेश में झुंझुनूं, रामगढ़, दौसा, खींवसर, देवली-उनियारा, सलूंबर एवं चौरासी विधानसभा क्षेत्र में रिक्त सीटों पर हो रहे इस उपचुनाव के लिए चुनाव प्रचार का शोर सोमवार शाम को थम जायेगा। इससे पहले भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेम चंद बैरवा, भाजपा के हरियाणा प्रभारी एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनियां, केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी एवं भूपेन्द्र यादव तथा राज्य के कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा एवं अन्य कई मंत्रियों, सांसदों सहित भाजपा के कई दिग्गज नेताओं ने अपनी ताकत झौंक दी है। हालांकि पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे चुनाव प्रचार में नहीं दिख रही हैं। इसी तरह कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, सांसद बृजेन्द्र ओला , हरीश मीणा एवं संजना जाटव, विधायक सहित पार्टी के कई दिग्गज नेता अपना पूरा जोर लगा रहे हैं। हालांकि इस बार उपचुनाव प्रचार में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी नजर नहीं आये हैं। इस बार सबसे चर्चित विधानसभा सीट बनी खींवसर में शुरु से ही अपना राजनीतिक दबदबा बनाये रखने वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक एवं सांसद हनुमान बेनीवाल ने भी अपनी राजनीतिक प्रतिष्ठा को बरकरार रखने के लिए रात दिन एक कर रखा हैं। हालांकि इस बार उनका किसी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं हुआ है और वह पार्टी के लोगों के साथ अपने प्रत्याशी एवं पत्नी कनिका बेनीवाल के लिए चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत लगा रखी हैं। इसी तरह भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के सांसद राजकुमार रोत भी चौरासी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी अनिल कुमार कटारा एवं सलंबूर में अपने प्रत्याशी जितेश कटारा के समर्थन में चुनाव प्रचार करने में अपनी ताकत लगा दी हैं। इन सात विधानसभा क्षेत्रों में झुंझुनूं, देवली-उनियारा, दौसा एवं रामगढ़ सीट पर कांग्रेस का कब्जा जबकि सलूंबर में भाजपा, खींवसर में रालोपा एवं चौरासी में बाप पार्टी का विधायक था। उपचुनाव में सबसे ज्यादा चुनौती कांग्रेस के लिए मानी जा रही है जहां उसे चार सीटों पर अपनी प्रतिष्ठा बरकरार रखनी हैं। उपचुनाव में एक सीट बरकरार रखने की चुनौती का सामना कर रही है।

# रूस ने किसी भी फोन कॉल की बात से किया इनकार

## ट्रंप-पुतिन की बातचीत का सच क्या है?

**रूस।** ने अमेरिकी मीडिया की उन रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते अपनी चुनावी जीत के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मॉस्को में एक दैनिक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि कोई बातचीत नहीं हुई। यह पूरी तरह से झूठ है, यह पूरी तरह से काल्पनिक है। वाशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि हाल में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने 70 से ज्यादा विश्व नेताओं से बात की है। इनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शामिल हैं। क्रेमलिन ने उन खबरों का खंडन किया कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की थी और कहा कि पुतिन के पास ट्रंप से बात करने की अभी तक कोई ठोस योजना नहीं है। वाशिंगटन पोस्ट ने सबसे पहले अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी थी कि यह कॉल हुई थी और कहा गया था कि ट्रंप ने पुतिन से कहा था कि उन्हें यूक्रेन युद्ध को आगे नहीं बढ़ाना चाहिए। बाद में समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने भी अज्ञात स्रोत का हवाला देते हुए कॉल पर रिपोर्ट दी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा कि ये पूरी तरह से झूठ है। यह पूरी तरह से काल्पनिक है, यह सिर्फ गलत जानकारी है। दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत नहीं हुई।

संपादकीय

# बुलडोजर न्याय के विरुद्ध

**सीजेआई डीवीआई चंद्रदूड़ ने जाते-जाते उन लोगों को राहत दी है, जो न्याय बुलडोजर की दशहत में जीने को मजबूर थे। क्या राज्य सरकारें इस पर अमल करेंगी?**

**सुप्रीम** कोर्ट ने बुलडोजर न्याय पर उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नागरिकों की आवाज को 'उनकी संपत्तियों को नष्ट करने की धमकी देकर दबाया नहीं जा सकता' और कानून के शासन वाले समाज में इस तरह के 'बुलडोजर न्याय' के लिए कोई जगह नहीं है। भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के साथ जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी मामले की सुनवाई में शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला स्वागत योग्य है। भाजपा सरकारों ने जिस तरह किसी शख्स के किसी अपराध में शामिल होने मात्र से उसके घर को 'अवैध' बताकर गिराने का जो सिलसिला शुरू किया था, वह अमानवीय के साथ ही मानवाधिकारों का हनन भी था। कोई घर किसी एक का नहीं होता। वह परिवार के सभी सदस्यों का होता है। परिवार के किसी सदस्य पर अपराध का आरोप लगने मात्र से पूरे परिवार को घर से वंचित नहीं किया जा सकता। सर्वोच्च अदालत ने सही ही कहा है कि किसी भी सभ्य न्याय व्यवस्था में बुलडोजर के जरिए न्याय नहीं किया जाता है। सीजेआई डीवीआई चंद्रदूड़ ने जाते-जाते उन लोगों को राहत दी है, जो न्याय बुलडोजर की दशहत में जीने को मजबूर थे। सुप्रीम कोर्ट ने किसी घर को गिराने से पहले-सही से सर्वेक्षण, लिखित नोटिस और आपत्तियों पर विचार किया जाना- समेत 6 कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने ये भी कहा कि इन दिशा-निर्देशों की कॉपियां सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को भेजी जाएं। क्या इन निर्देशों का पालन किया जाएगा? क्या भाजपा की सरकारें अब न्याय बुलडोजर से बाज आएंगी? कहीं ऐसा नहीं कि वे कोई दूसरा रास्ता तलाश कर लें? इससे पहले, 6 नवंबर को अपने एक फैसले में अदालत ने यूपी सरकार को मनोज को मुआवजे के रूप में 25 लाख रुपये देने का निर्देश भी दिया था। मनोज का घर 2019 में सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए उचित नोटिस दिए बिना ध्वस्त कर दिया गया था। अधिकारियों ने दावा किया कि नेशनल हाईवे के विस्तार के लिए ये करना जरूरी था। हालांकि, अदालत ने इसे राज्य की शक्ति के दुरुपयोग का उदाहरण बताया। पूर्व में जिन घरों को बुलडोजर न्याय के नाम पर ध्वस्त किया गया है, सुप्रीम कोर्ट को उनका भी संज्ञान लेना चाहिए और सरकार से मुआवजा दिलाना चाहिए। दुर्भाग्य से कुछ लोगों को बुलडोजर न्याय अच्छा लग रहा था।

# ट्रंप के आने के निहितार्थ



**शाहीन सबा**

**ट्रंप के भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहले से ही अच्छे संबंध रहे हैं और यह उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में भारत को समय-समय पर अमेरिका का समर्थन मिलेगा। हालांकि ट्रंप भारत से अमेरिका में मेधा प्रवाह पर अंकुश लगा सकते हैं तथा वे समय-समय पर भारत की आयात निर्यात नीति तथा आर्थिक संरक्षण के खिलाफ तीव्र टिप्पणी भी कर चुके हैं।**

अमेरीकी राष्ट्रपति चुनाव में एक बार पुनः डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। यदि इतिहास में जाएं तो यह देखने में आता है कि रिपब्लिकन पार्टी हमेशा से ही डेमोक्रेट्स की तुलना में अधिक कट्टर, अमरीका वादी और परंपरावादी रही है और आर्थिक योजना, अप्रवासी नीति, रूस चीन संबंध आदि में उसका दक्षिणपंथी रुख स्पष्ट नजर आता रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प से भी इसी रुख की उम्मीद है। ज्यो बाइडेन के समय में अमरीका का वैश्विक स्तर पर रुतबा कम हुआ है और सऊदी अरब, तुर्की, पाकिस्तान जैसे अमरीका के परंपरागत मित्र रूस और चीन के अधिक निकट चले गए। यूक्रेन और इस्त्राइल अपने पड़ोस के साथ युद्ध में फंस गए और अमरीका इसमें बहुत कुछ ज्यादा सहयोग नहीं दे पाया। ईरान और रूस पर उसके द्वारा लादे गए आर्थिक प्रतिबंध बहुत ज्यादा प्रभावी सिद्ध नहीं हो पाए। आंतरिक धरातल पर भी रोजगार और निर्माण के अवसरों की कमी हो गई और चीन आगे निकल गया। लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के छोटे देशों में चीनी निवेश और कर्ज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभानी शुरू कर दी, जिसका अपना कूटनैतिक और सैन्य महत्व है। निस्संदेह इसमें बाइडेन प्रशासन की अनिर्णय वाली भूमिका का भी दोष रहा, जिसकी परिणति डेमोक्रेट्स की बड़ी हार रही।

अब यदि डोनाल्ड ट्रम्प के इस दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल में होने वाले संभावित परिवर्तनों की कल्पना करें तो सर्वप्रथम अमेरिका में रहने वाले एवं आने वाले अप्रवासियों पर बंधन लगाए जाएंगे, जिसका असर भारत, अफ्रीका, लेटिन अमेरिका सहित अनेक देशों के नागरिकों पर निश्चित ही पड़ने जा रहा है और इन देशों के पास अप्रवासियों के माध्यम से आने वाली विदेशी मुद्रा में भी कमी आ सकती है। अप्रवासी समस्या यूरोप और अमेरिका की हमेशा से ही एक राष्ट्रीय समस्या रही है और इसका अभी तक वहां कोई सही समाधान नहीं निकल पाया है हालांकि उन देशों के चुनावों में हमेशा से ही यह एक प्रमुख मुद्दा रहा है।



आर्थिक नीतियों में जो बड़ा बदलाव आ सकता है वह अमरीकी कंपनियों द्वारा अन्य देशों में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट खोलने पर प्रतिबंध लगाना है जिसकी चर्चा ट्रम्प अपने भाषणों में करते आए हैं। चीन, ताइवान, दक्षिणी कोरिया, ब्राजील और भारत इससे प्रभावित होने वाले बड़े देश होंगे। अमरीकी लोगों के लिए सस्ती स्वास्थ्य योजनाएं लाने के वादे की पूर्ति के लिए करों में वृद्धि करनी होगी तथा अप्रवासियों की संख्या सीमित करने के प्रयास के कारण मानवश्रम के अभाव से भी ट्रम्प प्रशासन को जूझना होगा। अमरीकियों के लिए रोजगार सृजन करने हेतु बड़ी भारी संख्या में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाने होंगे जिसके लिए भी बजट में प्रावधान करना होगा। यह सब करने के लिए ट्रम्प प्रशासन को करों में कटौती के अपने वादे को स्थगित करना पड़ेगा जिससे रिपब्लिकन पार्टी की लोकप्रियता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

विदेशी मामलों में ट्रंप प्रशासन को चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव से जूझने के लिए नाटो से बाहर देखते हुए एक दूरगामी योजना बनानी होगी, जिसमें प्रमुख और निर्गुट देशों को आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक मदद पहुंचाकर उनमें विश्वास कायम करना पड़ेगा। ट्रंप के रूस के राष्ट्रपति पुतिन से हमेशा से ही सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं और इस नाते यह आशा है कि वे रूस युक्रेन युद्ध को दोनों ही देशों के मध्य सम्मानजनक तरीके से सहमति करवा कर रुकवा देंगे। जहां तक इस्त्राइल हमास लेबनान ईरान युद्ध का सवाल है ट्रंप बाइडेन की तुलना में अधिक मजबूती से इस्त्राइल के साथ खड़े दिखाई देंगे और ईरान को कमजोर करने का पूरा प्रयास करेंगे। ट्रम्प के आने से उनका उत्तरी कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग के साथ पुराना विवाद फिर से उभरेगा और इसके फलस्वरूप दक्षिणी कोरिया के साथ उत्तरी कोरिया का तनाव भी बढ़ेगा। रिपब्लिकन्स की चीन के प्रति कठोर नीति का लाभ ताइवान, जापान और भारत को भी मिलेगा तथा क्वार्ड को और सशक्त किया जायेगा।

जहां तक भारत अमेरिका संबंधों का सवाल है तो ट्रंप के भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहले से ही अच्छे संबंध रहे हैं और यह उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में भारत को समय-समय पर अमेरिका का समर्थन मिलेगा। हालांकि ट्रंप भारत से अमरीका में मेधा प्रवाह पर अंकुश लगा सकते हैं तथा वे समय-समय पर भारत की आयात निर्यात नीति तथा आर्थिक संरक्षण के खिलाफ तीव्र टिप्पणी भी कर चुके हैं और निश्चित ही इसमें वे सर्वप्रथम अमरीकी हित ही देखेंगे। हां, कहीं ना कहीं ट्रंप के आने से बाइडेन प्रशासन के बंगलादेश की नई भारत विरोधी सरकार तथा पाकिस्तान के प्रति समर्थन वाले रुख में बदलाव आने की भी संभावना रहेगी जो भारत के पक्ष में होगी। ट्रंप प्रशासन कनाडा के भारत विरोधी रुख पर भी कनाडा का समर्थन करने की बजाय शांत बैठ सकता है। पर भारत को यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय संबंध उस देश की अपनी प्राथमिकता से निर्धारित होते हैं ना कि दो राष्ट्राध्यक्षों के अपने निजी संबंधों से।

ट्रंप के आने से और उनकी अमरीका केंद्रित नीति से वैश्विक परिवेश में अमरीका अकेला भी पड़ सकता है। यदि अमरीका को अप्रवासियों के लिए अभेद्य बना दिया, अमरीकी कंपनियों को बाहर मैन्युफैक्चरिंग युनिट्स खोलने से हतोत्साहित किया गया तो फि र यह मानविकी और आर्थिक निवेश चीन, भारत और यूरोप की तरफ मुड़ जाएगा। अमरीका के पास इतने शिक्षित और प्रशिक्षित स्वयं के नागरिक नहीं हैं जो वहां के संस्थानों को चला सकें। इसके साथ ही ट्रंप और बाइडेन दोनों की ही नीति अपने मित्र देशों को संकट के समय मंझधार में छोड़ने की रही है। कुर्द, सीरिया, ईराक और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं। यूक्रेन भी कोई बहुत ज्यादा खुश नहीं है। ताइवान को जो सैन्य और आर्थिक मदद चीन से लड़ने के लिए चाहिए वो अब अमरीका देने में हिचकिचाने लगा है। अपने में सिमट कर अमरीका अपना महाशक्ति वाला रूप खो देगा। उसे यदि विश्व में अपनी धाक कायम रखनी है तो छोटे-छोटे देशों तक भी अपनी पहुंच बढ़ा कर उनमें अपने प्रति विश्वास कायम करना होगा।

अब विश्व दो धुरी का नहीं रहा है। तीसरी धुरी चीन भी हो गया है और धीरे-धीरे फ्रांस, तुर्की, ब्राजील और भारत भी अपना स्थान बनाते जा रहे हैं। सैन्य ताकत में भी अब चीन और भारत तीसरे और चौथे स्थान पर आ चुके हैं और बहुत ज्यादा संभावना है कि अगले एक दशक में चीन अमरीका और रूस को पछाड़ कर विश्व में नंबर एक सैन्य और आर्थिक ताकत बन जाए। ब्लू वाटर नेवी में तो वह अमरीका को पछाड़ ही चुका है। ट्रम्प जिद्दी हैं। वे विश्व परिदृश्य को पुनः अमेरिका की तरफ मोड़ सकते हैं, किंतु उन्हें अपनी अमरीका केंद्रित नीति को छोड़ना ही होगा। आज भी अमरीका नंबर एक सैन्य, आर्थिक एवं औद्योगिक ताकत है और यह ताकत उसे दिलाने में अप्रवासी तकनीशियनों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, कामगारों का प्रमुख योगदान है।

पाठकवाणी

### आबादी पर सियासत नहीं, समाधान खोजें

**बढ़ती** जनसंख्या किसी भी दृष्टि से भारत के लिए लाभप्रद नहीं है। बढ़ती आबादी को वोट बैंक की दृष्टि से देखने के बजाय सभी जाति, धर्म और वर्ग की जनसंख्या नियंत्रण हेतु समान और कठोर कानून बनाया जाए। वोट बैंक के मद्देनजर दिए जा रहे सियासती बयान देश और जनहित में नहीं कह सकते। यही सब चलता रहा तो देश को वर्तमान में जिन उलझनों का सामना करना पड़ रहा है, इससे बड़े संकट और समस्याएं पैदा होंगी, क्योंकि हमारे पास संसाधन सीमित हैं, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई के साथ कृषि भूमि में कमी होने से रहने और खाने की समस्याएं बढ़ेंगी।

**-बीएल शर्मा अकिंचन**, उज्जैन

### महाराष्ट्र में चुनाव

इस बार महाराष्ट्र के चुनाव दिमाग घुमा देने वाले एवं चुनावी पंडितों के लिए विष्यवाणी करना एक टेढ़ी खीर हो गई है। संभवत ऐसा पहली बार है कि महा विकास आघाडी ने शाहू, फूले, अंबेडकर की वैचारिक क्रांति को प्रचार का बड़ा आधार बनाया है और लड़ाई को संविधान और आरक्षण पर लाकर चुनावी मोड़ दिया है। भाजपा ने योगी आदित्यनाथ की चुनावी परिभाषा बटेंगे तो कटेंगे को आगे बढ़ाया है। नेशनल कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने महायुति को ही संकट में डाल दिया है। उन्होंने कहा है कि हम किसी भी ऐसी बात के साथ नहीं खड़े हैं जो शाहू फूले अंबेडकर वैचारिक विमर्श के विरुद्ध खड़ी हो।

**-वीरेंद्र कुमार जाटव**, दिल्ली

कुछ खास



राहुल गांधी ने संविधान दिखाते हुए ये बात कही कि हमें हर कीमत पर इसकी रक्षा करनी है। तो भाजपा वाले कहने लगे कि ये लाल किताब अर्बन-नक्सल है। लेकिन शायद भाजपा वालों को नहीं पता है कि ये संविधान है, उन्हें इसकी एक प्रति मेरी तरफ से भेज दीजिए।

**-मल्लिकार्जुन खरगे**, कांग्रेस अध्यक्ष

आज का ट्वीट



''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में नफरत फैलाते हैं और दुबई में शेखों को गले लगाते हैं, क्योंकि दुबई में मोदी के भतीजे जय शाह का धंधा शेखों के साथ है।''

**-संजय सिंह**

साइबरवर्ल्ड

### एक हैं तो सेफ हैं!

**भारत** विविधताओं का देश, जहां भिन्न-भिन्न धर्म, जातियां, भाषाएँ और संस्कृतियाँ संग मिलकर एकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यह वही एकता है जो हमारे राष्ट्र को न केवल बाहरी आक्रमणों से सुरक्षित रखती है, बल्कि आंतरिक रूप से मजबूत भी बनाती है। 'बंटेंगे तो कटेंगे, एक हैं तो सेफ हैं' का संदेश हमें यह समझाता है कि एकजुटता ही राष्ट्र की असली ताकत है और जब तक हम एक हैं, कोई भी शक्ति हमें विभाजित नहीं कर सकती। हमारे राष्ट्र की यह एकता, उसकी मजबूत नींव है। चाहे धर्म का विषय हो या भाषा का, भारतीय संस्कृति में सदैव ₹वसुधैव कुटुम्बकम्₹ की भावना को स्थान दिया गया है, जो हमें सिखाती है कि हम सब एक ही परिवार का हिस्सा हैं। अगर धर्म और भाषा के नाम पर हम बंटते हैं, तो यह केवल हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को ही खतरे में नहीं डालता, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर बनाता है। इसलिए, धर्मों की एकता पर जोर देना हमारे राष्ट्र की अखंडता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए आवश्यक है। हमारे समाज में विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं, जिनके अपने-अपने रीति-रिवाज, परंपराएं और त्योहार हैं। यह विविधता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। यह हमें सहनशीलता, समानता, और भाईचारे की भावना सिखाती है। धर्म के नाम पर बंटने की बजाय अगर हम एक-दूसरे के धर्मों का आदर करना और समझना सीखें, तो इससे समाज में अधिक सौहार्द और शांति का संचार होगा। इसी एकता से हमारे राष्ट्र की मजबूती बनती है, जो हमें आतंकवाद, सांप्रदायिकता और विभाजनकारी शक्तियों से सुरक्षित रखती है। हमारे स्वतंत्रता संग्राम में भी इस एकता का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। विभिन्न धर्मों और समुदायों ने संग मिलकर ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष किया और आजादी पाई। यह इतिहास हमें यह सिखाता है कि जब हम एकजुट होकर किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयत्न करते हैं तो हमें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। हमें बँटेंगे तो कटेंगे, एक हैं तो सेफ हैं के सिद्धांत को अपनाते हुए, मिलकर अपने देश को सुरक्षित और समृद्ध बनाना चाहिए।

**-ज्ञानेंद्र अवस्थी** की फेसबुक वॉल से

अमृतवाणी

### प्रेरणा और चयन



**गोपाल** कृष्ण गोखले ने ही महात्मा गांधी को सार्वजनिक जीवन में उतरने के लिए प्रेरित किया था। संयोग की बात है, डॉ राजेंद्र प्रसाद को भी देशसेवा की प्रेरणा उन्हीं से मिली। गोखले से अपनी पहली भेंट का उल्लेख करते हुए राजेन्द्र बाबू ने लिखा है। राजेंद्र बाबू ने यूनिवर्सिटी की परीक्षा में टॉप किया था और वे वकालत की तैयारी कर रहे थे। उसी दौरान गोपाल कृष्ण गोखले ने सर्वेंट ऑफ इंडिया सोसायटी का गठन किया था। इसी से प्रेरित होकर राजेंद्र बाबू उनसे मिलने के लिए पहुंचे। मुलाकात के दौरान गोखले ने राजेंद्र बाबू से कहा, 'हो सकता है कि तुम्हारी वकालत खूब चले, बहुत रुपये तुम पैदा कर सको। बहुत आराम और ऐश में दिन बिताओ, लेकिन मुल्क का भी दावा कुछ लड़कों पर होता है और चूंकि तुम पढ़ने में अच्छे हो, इसलिए तुम पर यह दावा और अधिक है।' उन्होंने खुद के बारे में भी बताया कि, 'मेरे सामने भी यही प्रश्न था। मैंने सबकी आशाओं पर पानी फेर कर देश-सेवा का व्रत लिया, तो मेरे घरवाले बहुत दुखी हुए, लेकिन कुछ दिनों बाद वे सब बातें समझ गए और मुझसे खूब प्रेम करने लगे। हो सकता है कि यह सब तुम्हारे साथ भी हो, पर इसका विश्वास रखो, सब लोग अंत में तुम्हारी पूजा करने लगेंगे।' इस मुलाकात के बाद राजेंद्र बाबू ने कुछ विचार किया और फिर अपना पूरा जीवन देश को समर्पित कर दिया। हम अपनी राह चुनते हुए खुद को केंद्र में रखते हैं, जबकि समाज को केंद्र में रखने से चयन में आसानी होती है। ज्यादातर लोग यह नहीं सोचते कि उनके कार्य से देश को क्या लाभ होगा, स्वयं का लाभ तो कोई भी पा सकता है।

तीखी नजर

### क्रिया की प्रतिक्रिया बंटेंगे तो कटेंगे



राजेंद्र शर्मा

भाई ये तो सरासर नाइंसाफी है। योगी जी तो चेता रहे हैं बल्कि पब्लिक को जगा रहे हैं कि बंटोगे तो कटोगे। और भाई लोग पलटकर उन्हीं से सवाल पूछ रहे हैं कि राज तो आप का है और आज से नहीं, सात साल से आप का राज है, फिर बात बंटने और कटने तक कैसे पहुंच गयी? अव्वल तो सात बरस का राज कोई बहुत ज्यादा नहीं होता है, बंटने और कटने के लिए। ऐसे तो मोदी जी के राज को तो ग्यारह साल होने वाले हैं। बंटने और कटने की नौबत तो उनके राज में भी आयी हुई है। सुना नहीं कैसे योगी जी के ही सुर में सुर मिलाकर मोदी जी भी इस चुनावी सीजन में बंटने और कटने की बातें करने में लगे हैं, मामूली सुधार के साथ; एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। सेफ रहने के लिए हम दो भी छूटे तो मोदी जी छोड़ देंगे, जरूरत पड़ी तो एक अडानी को ही सुरक्षित रखेंगे। अडानी नाम केवलम्द। कलियुग केवल एक नाम आधारा।

खैर, असली बात यह है कि बंटने और कटने का, किसी का राज होने न होने से तो कुछ लेना-देना ही नहीं है। राज से क्या और राज करने वाले से भी क्या, यह तो प्रकृति का नियम है-जो बंटेंगे, वो कटेंगे। कटने की नौबत आने के लिए, राज करने वालों पर जिम्मेदारी डालने की कोशिश कोई नहीं करे। ऐसे ही 2002 के गुजरात के भीषण खून-खराबे की जिम्मेदारी मोदी जी पर डालने की भी तो कोशिश की गयी थी। बाकी को तो छोड़ ही दो, वाजपेयी जी तक ने 'राजधर्म' का पालन करने का मशवरा दे डाला था। पर मोदी जी ने साफ कह दिया, जो हुआ है, हो रहा है और होगा, उससे उनके राज का कोई संबंध नहीं था। जो हुआ, वह भी प्रकृति के एक और नियम के हिसाब से हो रहा था-एक्शन और उसका रिएक्शन! 2002 में एक्शन और उसका रिएक्शन था और 2024 में, बंटोगे तो कटोगे।

लेकिन, कुछ लोग हैं कि बाल की खाल निकालने पर आमादा हैं। कह रहे हैं कि बंटोगे तो कटोगे में पहले क्या आता है-बंटोगे या कटोगे? यह बात को पहले मुर्गी आयी या अंडा वाली बहस में उलझा देने की कोशिश है। वर्ना क्या फर्क पड़ता है कि बंटने और कटने में क्या पहले आया और क्या बाद में? बंट के कटने जा रहे हैं या कटकर बंटने जा रहे हैं। वैसे भी बारीकी से देखा जाए तो यह मुर्गी और अंडे वाली गुत्थी है भी नहीं। कटने का डर दिखाया जा रहा है, जिससे लोग यानी हिंदू बंटें नहीं। और कोई तरीका नहीं है, बंटने से बचाने का, न कटने के लिए डराने का। बंटे तो कटे; इसी का डर बंटने से बचा सकता है। यह डर अच्छा है। तुलसीदास जी तो बहुत पहले ही कह गए थे-भय बिनु प्रीति होइ नहीं देवा! भय होगा, तभी तो प्रीति होगी यानी बंटने से बचे रहेंगे।

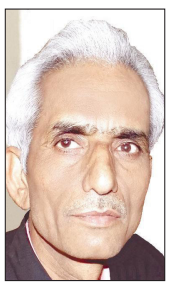

पता है, राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान क्यों नहीं चल पा रही है। प्रीति की दुकान चलाने के लिए जिस भय की जरूरत है, वह तो अगलों के स्टॉक में है ही नहीं। बिना डराए तो मोहब्बत की दुकान भी नहीं चल सकती। डराने भी दो यारो!

जयंती पर विशेष

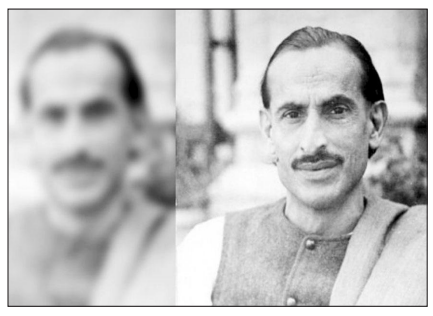

# गांधी से मिलकर बदल गई थी जेबी की जिंदगी



कृष्ण प्रताप सिंह

**महात्मा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के दोनों बड़े खेवनहारों-पंडित जवारलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल-में किसी से भी तालमेल नहीं बैठा पाए और अलग पार्टी बनाकर कांग्रेस से द्रोह को भी मजबूर हुए। किसान मजदूर प्रजा पार्टी का गठन किया।**



स्वतंत्रता सेनानियों की गांधीवादी-समाजवादी जमात के सदस्य और दर्शनशास्त्र व इतिहास के अपने समय के सबसे विद्वान व्याख्याताओं में से एक आचार्य जेबी (जीवतराम भगवानदास) कृपलानी को आमतौर पर ऐतिहासिक चम्पारण सत्याग्रह के बाद से महात्मा गांधी की आखिरी सांस तक उनका 'दाहिना हाथ' बने रहने के लिए याद किया जाता हैं। हां, इसके लिए भी कि आजादी के वक्त देश की अंतरिम सरकार के गठन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने महात्मा की इच्छा के मुताबिक प्रधानमंत्री पद के लिए पं. जवाहरलाल नेहरू के चयन में कैसी भूमिका निभाई। उन्हें बेचैन किए रखने वाली उस 'चिर असहमति' के बगैर तो उनकी बाबत कोई भी चर्चा पूरी नहीं होती, जो उन्हें प्रायः किसी भी मुकाम पर स्थिर नही रहने देती थी और जिसके चलते न उनके राजनीतिक दोस्तों को दुश्मनों में बदलते देर लगती थी, न दुश्मनों को दोस्तों में।

लेकिन इस सबसे इतर जिस एक बात ने उनके राजनीतिक जीवन को बहुत गहराई तक प्रभावित किया, वह देश की सत्ता संभालते ही कांग्रेस में आरंभ हो गए पार्टी-सरकार, मूल्य-स्वार्थ, गांधीवाद-समाजवाद और वाम-दक्षिण टकरावों से जुड़ी हुई थी। इन टकरावों के शिकार होकर कहें या उनसे विचलित होकर ही वे बार-बार अपनी भूमिकाएं पुनर्निर्धारित करते रहे और महात्मा की हत्या के बाद कांग्रेस के दोनों बड़े खेवनहारों-पंडित जवारलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल-में किसी से भी तालमेल नहीं बैठा पाए और अलग पार्टी बनाकर कांग्रेस से द्रोह को भी मजबूर हुए। नेहरू और पटेल से उनकी पहली गंभीर असहमति इस सवाल के साथ सामने आई थी कि नीतियों के निर्धारण में कांग्रेस पार्टी सर्वोच्च है या सरकार और क्या नेहरू सरकार को पार्टी को विश्वास में लिए बिना फैसले करने और लागू करने चाहिए? उनका मानना था कि पार्टी के अंकुश के बगैर सरकार जनविरोधी हो सकती है इसलिए उसे चाहिए कि सभी निर्णयों में पार्टी का मत ले। लेकिन नेहरू को ऐसा करना गवारा नहीं था। उनका मानना था कि पार्टी सिद्धान्त और दिशानिर्देश तो बना सकती है किन्तु सरकार के रोजमर्रा के काम में दखल का हक नहीं रखती। उनके इस विचार को पटेल का भी समर्थन था।

लेकिन 1950 में कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में मतैक्य के अभाव में कृपलानी नेहरू समर्थित प्रत्याशी बने तो पटेल ने पुरुषोत्तमदास टंडन को खड़ा किया। इस मुकाबले में कृपलानी टंडन से हार पाए तो उन्हें महात्मा गांधी का असंख्य ग्राम स्वराज्यों का सपना चकनाचूर होता दिखने लगा। इसके अगले ही बरस उन्होंने कांग्रेस छोड़कर किसान मजदूर प्रजा पार्टी बनाई और शीघ्र ही उसका प्रजा समाजवादी पार्टी में विलय कर दिया। 1952 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की फैजाबाद लोकसभा सीट से वे कांग्रेस प्रत्याशी लल्लन जी से हार गए तो कहा गया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में आचार्य नरेन्द्रदेव को हराने वाले अयोध्यावासियों ने अंततः उन्हें भी नहीं बख्शा। अनंतर वे अपने कार्यक्षेत्र बिहार की भागलपुर सह पूर्णिया सीट से उपचुनाव लड़कर लोकसभा पहुंचे और 1957 में सीतामढ़ी से जीते। लेकिन 1962 में बम्बई में तत्कालीन रक्षामंत्री वीके कृष्णमेनन से बेहद कटुतापूर्ण मुकाबले में भी-जो वामपंथ और दक्षिणपंथ का मुकाबला बन गया था-उन्हें शिकस्त का ही सामना करना पड़ा था। 1967 में भी रायपुर लोकसभा क्षेत्र से वे कांग्रेस के एक अनाम से उम्मीदवार से हार गये थे।

1962 के लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश की अमरोहा सीट से उपचुनाव लड़कर वे लोकसभा पहुंचे तो 13 अगस्त, 1963 को नेहरू सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले आए। स्वतंत्र भारत में किसी सरकार के खिलाफ यह पहला अविश्वास प्रस्ताव था, जो उनके कांग्रेसद्रोह की शुरुआत सिद्ध हुआ और बाद में 1975 में इमरजेंसी के जेल-जीवन, 1977 में इंदिरा गांधी सरकार के पतन व जनता पार्टी की मोरारजी सरकार के गठन में अहम भूमिका निभाने तक पहुंचा।

सिंध के हैदराबाद में 1888 में एक उच्च मध्यवर्गीय परिवार में जन्म के बाद उच्च शिक्षा प्राप्तकर 1912 में वे बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित ग्रियर भूमिहार ब्राह्मण कॉलेज में अंग्रेजी व इतिहास के प्राध्यापक बन गए तो खुश थे कि जिंदगी 'मंजिल' पा गई है। लेकिन 15 अप्रैल, 1917 की रात मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी से भेंट के बाद उनके जीवन की दिशा और मंजिल दोनों बदल गईं। चंपारण के किसान राजकुमार शुक्ल के बुलावे पर महात्मा चम्पारण जा रहे थे तो कृपलानी अंधेरी रात में हाथों में लालटेनें लिए अपने छात्रों के साथ उनका स्वागत करने स्टेशन जा पहुंचे थे, लेकिन देर तक उन्हें ढूंढ़ नहीं पाये, क्योंकि महात्मा ट्रेन के तीसरे दर्जे के कोच में बैठे थे। हां, ढूंढ पाए तो उनकी ऐसी आरती उतारी कि महात्मा असहज हो उठे थे।

महात्मा के 'आदेश' पर वे 1920 से 1927 तक उनके द्वारा स्थापित गुजरात विद्यापीठ के प्रधानाचार्य भी रहे और लौटे तो आचार्य कहे जाने लगे थे। दिलचस्प यह कि आचार्य ने 1936 में महात्मा के विरोध के बावजूद खुद से बीस साल छोटी सुचेता मजूमदार नामक प्रोफेसर से प्रेम-विवाह किया था। महात्मा ने उनको इस शर्त पर इस शादी की इजाजत दी थी कि न वे उसमें शामिल होंगे, न आशीर्वाद देंगे। बाद में सुचेता उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं तो देश ने अपनी पहली महिला मुख्यमंत्री पाई थी। आजीवन कोई सरकारी पद न ग्रहण करने और अपनी आत्मकथा समेत कई पुस्तकें लिखने वाले वाले आचार्य ने कुछ समय तक प्रजा समाजवादी पार्टी से 'स्वतंत्र' नेता के रूप में भी कार्य किया था।

## सार संक्षेप

### हरिद्वार को मिली अंतरराष्ट्रीय स्तर क्रिकेट स्टेडियम की सौगात

**हरिद्वार** : उत्तराखंड की तीर्थ नगरी हरिद्वार को अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की सौगात मिलने जा रही है। दरअसल हरिद्वार में अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम बनकर तैयार हो गया है। इसका लोकार्पण मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी करेंगे। इस स्टेडियम में जहां राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकेंगी वहीं यहां पर डे एंड नाइट क्रिकेट मैच की भी सुविधा उपलब्ध होगी। जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के मानकों के अनुसार फ्लड लाइटें लगाई गई हैं। हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंशुल कुमार सिह का कहना है कि इस क्रिकेट स्टेडियम को बनाने के लिए काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उसके बावजूद हरिद्वार के युवाओं के भविष्य को देखते हुए इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया गया है जिसमें वह सभी सुविधाएं उपलब्ध है जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होती हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसमें और सुधार करके इसका उच्चीकरण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब हरिद्वार के प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ियों को कोचिंग के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा उन्हें हरिद्वार में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की कोचिंग मिलेगी जिससे यहां के खिलाड़ी भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे।

### राष्ट्रीय चैंपियनशिप : ओडिशा पुडुचेरी, झारखंड और महाराष्ट्र जीते

**चेन्नई** : 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सातवें दिन हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, पुडुचेरी, झारखंड और महाराष्ट्र ने अपने-अपने पूल मैचों में जीत दर्ज की। यहां मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में आयोजित दिन के पहले मुकाबले में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने पूल ई में अरुणाचल को 9-0 से हराया। ओडिशा के लिए अमनदीप लाकड़ा ने (पांचवें, 25वें), अजय कुमार एक्का ने (15वें, 50वें) और केरोबिन लाकड़ा ने (47वें, 53वें) ने दो-दो गोल किए। जबकि नीलम संजीव जेस ने (11वें), प्रताप लाकड़ा ने (23वें) और सुदीप चिरमाको ने (35वें) मिनट में एक-एक गोल किया। दूसरे मैच में पुडुचेरी ने हॉकी राजस्थान को 13-2 से हराया। पुडुचेरी हॉकी के लिए टी. अरुण कुमार ने (तीसरे, 21वें, 25वें, 26वें), महेंद्रन पी (दूसरे, सातवें, 29वें, 32वें) और आर रंजीत (आठवें, 37वें, 42वें, 50वें) ने चार-चार गोल किए, जबकि कप्तान वीरथमिजान वी ने(55') मिनट में गोल किया। वहीं हॉकी राजस्थान के लिए कप्तान वीरेंद्र सिंह ने (15वें) और केशव पांडे ने (47वें) ने गोल किए। पूल जी में झारखंड ने गुजरात को 18-2 से हराया। हॉकी झारखंड के लिए आतिश डोडराई (नौवें, 11वें, 49वें, 60वें) चार गोल किए, जबकि दिलबर बारला ने (दो, 16वें, 38वें) और कप्तान साइमन बद्रा ने(18वें, 23वें, 42वें) हैट्रिक बनाई। दानियाल सोय ने (37वें, 45वें) दो गोल किए, साथ ही जुनुल पूर्ति ने (17वें), सुनील जाक्सा ने (26वें), बिरसा ओरेया ने (28वें), माइकल टोपनो ने (31वें), अनुरुद्ध भेंगरा ने (34वें) और जोसेफ टोपनो ने (59वें) मिनट में गोल किए। वहीं हॉकी गुजरात के लिए मीत गजेरा ने (पांववें) और नील अजय पटेल ने (25वें) मिनट गोल किए।

### कराटे बेल्ट प्रतियोगिता में सिरमौर के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

**नाहन** : हिमाचल प्रदेश के जिला सोलन स्थित वाइट टाइगर मार्शियल आर्ट्स अकादमी में शनिवार को कराटे छात्रों की बेल्ट परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें दर्जनों छात्रों ने भाग लिया। इस परीक्षा में सिरमौर जिले के माउंटेन मार्शियल आर्ट्स डोजो नाहन के तीन छात्रों ने भी हिस्सा लिया और तीनों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए येलो बेल्ट हासिल की। छात्र-छात्राओं की कला को देखकर मुख्य परीक्षक इकबाल मलिक ने उनकी सराहना की और उन्हें येलो बेल्ट प्रदान की। इस दौरान शिफा, फर्ज और दिव्यांश शर्मा ने अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। यह परीक्षा हिमाचल प्रदेश की वर्ल्ड शोटोकान कराटे फेडरेशन द्वारा आयोजित की गई थी। परीक्षा में मुख्य परीक्षक इकबाल मलिक और जिला सिरमौर के माउंटेन मार्टियल आर्ट्स डोजो के प्रमुख प्रशिक्षक प्रवीण कुमार भी मौजूद थे। सभी छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बेल्ट और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

### एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की सभी तैयारियां पूरी

**राजगीर** : बिहार में अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर राजगीर में आज से शुरू हो रही एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत, चीन, जापान, कोरिया, थाईलैंड और मलेशिया की महिला हॉकी टीम भाग ले रही है। हॉकी टीम के कोच हरेंद्र सिंह ने बिहार में पहली बार हो रहे महिला हॉकी टूर्नामेंट को लेकर हॉकी इंडिया और बिहार सरकार को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया टूर्नामेंट को लेकर पूरी तरह से तैयार है। खेल के पहले जो भी कमियां थी, उसे दूर करने को लेकर खिलाड़ियों से वार्तालाप किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी टीम प्रत्येक मैच को लेकर रणनीति बनाई जा रही है। कीट पतंग की समस्या को देखते हुए मैच के टाइम में बदलाव किया गया है जो सही निर्णय है। टीम इंडिया की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि यह टूर्नामेंट आने वाले विश्व कप की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण है। टीम इंडिया एशियन हॉकी जीतती है तो उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। टीम की कोशिश होगी कि इस टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करे। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया प्रत्येक मैच पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है, रिजल्ट पर नहीं। टीम मे कई युवा खिलाड़ी को भी मौका दिया गया है। टीम इंडिया का आज मलेशिया से मुकाबला है। उन्होंने बताया कि एशियन हॉकी मैच में भाग ले रही कोई भी टीम कमजोर नहीं है। भारतीय हॉकी टीम का जो खेल है उसे खुलकर खेला जाएगा और टीम इंडिया सभी टीमों का मुकाबला करने को तैयार है।

# हरियाणा के यशवर्धन ने बनाए रिकॉर्ड 428 रन

● नई दिल्ली,

हरियाणा के ओपनर यशवर्धन दलाल ने कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी में रिकॉर्ड 428 रनों की पारी खेली है। दलाल ने यह कारनामा मुंबई के खिलाफ गुरुग्राम क्रिकेट ग्राउंड में किया है। वे इस अंडर-23 टूर्नामेंट के इतिहास में 400 रन से ज्यादा का स्कोर करने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। यशवर्धन ने अपनी मैराथन पारी में 463 गेंद में 46 चौके और 12 छक्के लगाए।

झज्जर के इस बल्लेबाज ने उत्तर प्रदेश के समीर रिजवी का रिकॉर्ड तोड़ा। समीर ने पिछले सीजन में 312 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी, जो टूर्नामेंट के इतिहास का हाईएस्ट स्कोर था। यह पहला मौका नहीं है, जब यशवर्धन ने बड़ी पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने दिसंबर 2021 में अंडर-16 लीग मैच में 237 रन की पारी खेली थी। उस मैच

### सीके नायडू ट्रॉफी : अर्श रांगा के साथ 410 रन की पार्टनरशिप की

में हरियाणा ने 40 ओवर के मैच में 452 रन बनाए थे। यशवर्धन ने अर्श रांगा के साथ पहले विकेट के लिए 410 रन की साझेदारी की। रांगा ने भी 151 रनों की पारी खेली। पिछले 2 मैचों में 94 रन बनाने वाले दलाल को इस मैच में ओपनिंग करने भेजा गया था। उन्होंने मध्य प्रदेश के खिलाफ 4 और झारखंड के खिलाफ 23 और 67 रन बनाए थे। यशवर्धन ने अपनी पारी के 60 फीसदी 256 रन बाउंड्री से बनाए। उन्होंने चौके से 184 और छक्के से 72 रन स्कोर किए। इतना ही नहीं, यशवर्धन ने 172 रन दौड़कर बनाए। इनमें 159 रन सिंगल से, 10 रन डबल से और 3 रन ट्रिपल से बनाए।

### स्कोर बोर्ड

| भारत | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| संजू सैमसन बो यानसेन | 00 | 3 | 0 | 0 |
| अभिषेक का यानसेन बो कोयतजे | 04 | 5 | 1 | 0 |
| सूर्या पगबाधा बो सिमलाने | 04 | 9 | 0 | 0 |
| तिलक का मिलर बो मारक्रम | 20 | 20 | 1 | 1 |
| अक्षर रन आउट | 27 | 21 | 4 | 0 |
| हार्दिक नाबाद | 39 | 45 | 4 | 0 |
| रिंकू का यानसेन बो पीटर | 09 | 11 | 0 | 0 |
| अर्शदीप नाबाद | 07 | 6 | 0 | 1 |
| अतिरिक्त : 14 | | | | |
| कुल : 20 ओवर में छह विकेट पर 124 रन | | | | |
| विकेट पतन : 1-0, 2-5, 3-15, 4-45, 5-70, 6-87 | | | | |

| गेंदबाजी | ओवर | मेडन | रन | विकेट |
|---|---|---|---|---|
| यानसेन | 4 | 1 | 25 | 1 |
| कोयतजे | 4 | 0 | 25 | 1 |
| सिमलाने | 3 | 0 | 20 | 1 |
| महाराज | 4 | 0 | 24 | 0 |
| मारक्रम | 1 | 0 | 4 | 1 |
| पीटर | 4 | 0 | 20 | 1 |

# गेंदबाजों ने दिखाया दम

## दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम को 124 रन पर रोका

● कबेखा (दक्षिण अफ्रीका),

**हार्दिक** पंड्या (नाबाद 39), अक्षर पटेल (27) और तिलक वर्मा (20) रनों की पारियों के दम पर भारत ने रविवार को दूसरे टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 125 रनों का लक्ष्य दिया है। समाचार लिखे जाने तक दक्षिण अफ्रीका ने 14 ओवर में छह विकेट पर 75 रन बना लिए थे।

यहां सेंट जॉर्ज्स पार्क कबेखा में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मारक्रम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 15 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। संजू सैमसन (00), अभिषेक शर्मा (04) और सूर्यकुमार यादव (04) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद आखिरी तक रन बनाने के लिए तिलक वर्मा और अक्षर पटेल ने पारी को संभालने का प्रयास किया। तिलक वर्मा ने 20 गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए (20) रन बनाए। अक्षर पटेल ने 21 गेंदों में चार चौके लगाते हुए (27) रनों की पारी खेली। रिंकू सिंह (9) रन बनाकर आउट हुये। हार्दिक पंड्या ने चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 39) रन बनाए। अर्शदीप सिंह सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 124 रन का स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मार्को यानसन, गेराल्ड कोयतजे, ऐंडिले सिमलाने, एडन मारक्रम और एन पीटर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

## श्रीलंकाई गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड को 108 रन के स्कोर पर किया ढेर

**दांबुला,** वानिंदु हसरंगा (चार विकेट) और मतीशा पतिराना (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने दूसरे टी-20 मुकाबले में रविवार को न्यूजीलैंड को 108 के स्कोर पर ढेर कर दिया है। यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने छह रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिए। टिम रॉबिंसन (00) और मार्क चैपमैन (02) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स (04), माइकल ब्रेसवेल (00) और मिचेल हे (00) को वानिंदु हसरंगा ने अपना शिकार बनाया। विल यंग ने टीम के सर्वाधिक (30) रनों की पारी खेली। मिचेल सैंटनर (19) और जॉश क्लार्कसन (24), जैकरी फॉक्स(6) रन बनाकर आउट हुये। इन तीनों बल्लेबाजों को मतीश पतिराणा ने आउट किया। श्रीलंकाई गेंदबाजों के न्यूजीलैंड का कोई भी बल्लेबाज नहीं टिक सका और पूरी टीम 19.3 ओवर में 108 रन पर ढेर हो गई। श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने 17 रन देकर चार विकेट और मतीशा पतिराना ने 11 रन देकर तीन विकेट, नुवान तुषारा ने 22 रन देकर दो तथा महीश तीक्षणा ने 16 रन देकर एक विकेट लिया।

# कोको गॉफ ने जीता खिताब

### ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन को 3-6, 6-4, 7-6 से हराकर अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब जीता

**रियाद,** विश्व की नंबर तीन अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने चीन की झेंग किनवेन को महिला एकल स्पर्धा में हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीता।

सऊदी अरब के रियाद में खेले गए मुकाबले में कोको गॉफ ने ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन को 3-6, 6-4, 7-6 से हराकर अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब अपने नाम किया। यह उनके करियर का पहला साल का आखिरी चैंपियनशिप खिताब है। गॉफ ने मैच की शुरुआत में झेंग थोड़ी घबराहट फायदा उठाते हुए शुरुआती गेम में चीन की स्टार खिलाड़ी की सर्विस तोड़ने का प्रयास किया था। लेकिन झेंग ने लय हासिल की और उसने आठवें गेम में गॉफ की सर्विस तोड़ी और फिर अगले गेम में सर्विस बचाकर पहला सेट 6-3 से जीता। दूसरे और तीसरे सेट में गॉफ संघर्षपूर्ण वापसी की और हार बाधा को पार करते हुए अपने करियर का नौवां डब्ल्यूटीए टूर एकल खिताब जीता। गॉफ ने दूसरा सेट 6-4 और तीसरा सेट करीबी संघर्ष में 7-6 से जीता।

# ऑस्ट्रेलिया ने नाथन मैकस्वीनी को टेस्ट टीम में किया शामिल

● पर्थ,

**ऑस्ट्रेलिया** ने 22 नवंबर से भारत के खिलाफ शुरु होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 पहले टेस्ट मैच के लिए अपनी 13 सदस्यीय टीम में दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल किया है।

चयनकर्ताओं ने पैट कमिंस को कप्तानी की जिम्मेदारी दी है। वहीं भारत-ए के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करने वाले अनकैप्ड नाथन मैकस्वीनी को भी टीम में जगह दी गई है वह उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करते हुए नजर आ सकते हैं। तेज गेंदबाजी की जिम्मदारी पैट कमिंस, स्कॉट बोलैंड, मिचेल स्टार्क और जोस हेजलवुड पर होगी। टीम में मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड जैसे अनुभवी बल्लेबाजों को भी जगह दी गई है। चयन अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने टीम पर भरोसा जताते हुए कहा कि नाथन ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, और शेफील्ड शील्ड में जोश का फॉर्म शानदार रहा है। उन्होंने कहा कि यह संतुलित टीम हमें वह लचीलापन देती है जिसकी हमें एक आकर्षक श्रृंखला के लिए आवश्यकता है। भारत के खिलाफ

### ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट के लिए दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को दिया मौका

पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम इस प्रकार है:- पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिच मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ और मिशेल स्टार्क।

# पाक ने ऑस्ट्रेलिया में जीती वनडे सीरीज

## ऑस्ट्रेलिया को तीसरे वनडे में आठ विकेट विकेट से हराकर 2-1 से सीरीज अपने नाम की

● पर्थ,

**शाहीन** शाह अफरीदी, नसीम शाह (3-3 विकेट) और हारिस रउफ (दो विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद सईम अयूब (47), अब्दुल्लाह शफीक (37) और कप्तान मोहम्मद रिजवान (नाबाद 30) की बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर पाकिस्ता ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। हारिस रउफ को उनके शानदार प्रदर्शन 24 रन देकर दो विकेट लिए प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज में 10 विकेट चटाने पर प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया।

141 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की सईम अयूब और अब्दुल्लाह शफीक की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 84 रन जोड़े। सईम अयूब ने चार चौके और एक छक्के की मदद से (42) रनों की पारी खेली। अब्दुल्लाह शफीक ने एक चौके और एक छक्के की मदद से (37) रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों को लैंस मॉरिस ने आउट किया। बाबर आजम (28) और मोहम्मद रिजवान (30) रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान ने 26.5 ओवर में दो विकेट पर 143 रन बनाकर आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एकमात्र कामयाब गेंदबाज लैंस मॉरिस को दो विकेट मिले। इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया शुरुआत खराब रही और उसने 88 के स्कोर तक उसके सात बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। जेक फ्रेजर-मक्गर्क (07), ऐरन हार्डी (12), कप्तान जॉश इंग्लिस (07), कूपर कॉनोली (07), मैथ्यू शॉर्ट (22), कूपर कॉनोली (रिटायर्ड हर्ट 07) और ग्लेन मैक्सवेल (00) पर आउट हुए। इसके बाद शॉन ऐबट ने पारी को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने एक छक्के और दो चौके की मदद से सर्वाधिक (30) रनों की पारी खेली। एडम जम्पा (13) और लैंस मॉरिस (00) पर आउट हुए। स्पेंसर जॉनसन (12) रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलिया का कोई बल्लेबाज पिच पर नहीं टीक सका। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 31.5 ओवर में 140 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह 3-3 विकेट लिए। हारिस रउफ को दो विकेट मिले। मोहम्मद हसनैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

## चोटिल कूपर कोनोली पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज से हुए बाहर

**पर्थ, वार्ता** : ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कूपर कोनोली बायें हाथ में फ्रैक्चर होने के कारण पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के प्रवक्ता ने कोनोली के बायें हाथ में फ्रैक्चर की पुष्टि की। वह सोमवार को पर्थ में एक स्पेशलिस्ट से मिलेंगे। टी-20 सीरीज में उनकी जगह अभी तक किसी भी खिलाड़ी के नाम की घोषणा नहीं की गई है। कोनोली के हाथ में यह चोट पर्थ एकदिवसीय मैच के 17वें ओवर में मोहम्मद हसनैन की गेंद पर लगी। जिसके बाद अधिक दर्द होने के कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था। स्कैन में उनकी चोट के बारे में पता चला था। 15 दिसंबर से शुरू हो रहे बीबीएल को देखते हुए पर्थ स्कॉचर्स की भी कोनोली के ठीक होने पर नजर रहेगी। वह बायें हाथ से स्पिन गेंदबाज भी हैं। कोनोली ने सितंबर में इंग्लैंड के दौरे पर पदार्पण किया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)